राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

पंजाब में आई चार दशक की सबसे भीषण बाढ़, अब तक हुई 29 लोगों की मौत

किम जोंग उन विशेष बख्तरबंद ट्रेन से बीजिंग पहुंचे, सैन्य परेड में हिस्सा लेंगे

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 249 | रायपुर | बुधवार 03 सितंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

सेमीकॉन इंडिया 2025 का उद्घाटन, 3 दिन चलेगा सम्मेलन

प्रधानमंत्री मोदी ने पहले स्वदेशी 32-बिट माइक्रोचिप विक्रम का किया अनावरण

नईदिल्ली (संवाददाता)।

सेमीकॉन इंडिया 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत के पहले स्वदेशी 32-बिट माइक्रोचिप विक्रम का अनावरण किया है। इस अवसर पर केंद्रीय आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री को विक्रम प्रोसेसर और परीक्षण चिप्स सौंपे। यह प्रोसेसर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला द्वारा विकसित किया गया है। इसकी तैनाती अंतरिक्ष लॉन्च व्हीकल के चुनौतीपूर्ण वातावरण में की जाएगी, जो भारत की सेमीकंडक्टर क्षमता की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (2 सितंबर) नई दिल्ली के यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2025 का उद्घाटन किया है। कार्यक्रम में सेमीकॉन इंडिया मिशन, फैब परियोजनाएं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), निवेश और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। यह 3 दिवसीय सम्मेलन 2 से 4 सितंबर तक चलेगा और भारत में मजबूत तथा टिकाऊ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने पर केंद्रित है। इस सम्मेलन का मकसद भारत को सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अग्रणी शक्ति बनाना है। इस सम्मेलन में 33 देशों की लगभग 350 से अधिक कंपनियां भाग ले रही हैं और इसमें 20 हजार से ज्यादा लोगों की मौजूदगी दर्ज होगी। आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बढ़ावा देना और इस क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को मजबूत करना है। दुनियाभर के विशेषज्ञ यहां नए निवेश अवसरों, अनुसंधान, नवाचार और नीतिगत पहलों पर चर्चा करेंगे। इससे भारत को तकनीकी महाशक्ति बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने में मदद मिलेगी।

विक्रम प्रोसेसर पूरी तरह स्वदेशी रूप से बनाया गया 32-बिट माइक्रोचिप है। इसे अंतरिक्ष यान में उपयोग के लिए परीक्षण और मंजूरी मिल चुकी है। इसकी डिजाइन और निर्माण भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है। इस परियोजना के साथ ही चिप्स टू स्टार्टअप पहल के तहत छात्रों द्वारा बनाए गए 28 चिप्स को भी मोहाली सेमीकंडक्टर फैक्ट्री में निर्मित और पैक किया गया है, जो देश के युवाओं की तकनीकी क्षमता को दर्शाता है।

इस मौके पर मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में भारत ने 4 साल से भी कम समय में वैश्विक विश्वास अर्जित किया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 5 सेमीकंडक्टर फैक्ट्री तेजी से बनाए जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय उद्योग जगत को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नीतिगत अस्थिरता के दौर में भारत स्थिरता और विकास का प्रतीक बनकर उभर रहा है। उनकी अपील थी कि निवेश और भरोसे के लिए भारत सबसे उपयुक्त स्थान है।

नई दिल्ली में आयोजित यह 3 दिवसीय सम्मेलन गुरुवार तक चलेगा। इसमें वैश्विक सीईओ के साथ गोलमेज चर्चा होगी और सेमीकंडक्टर निर्माण, एआई अनुसंधान, पैकेजिंग, वित्तपोषण और कौशल विकास जैसे मुद्दों पर सत्र होंगे। इस वर्ष 48 देशों से 2,500 से अधिक प्रतिनिधि, 150 वक्ता और 350 प्रदर्शक शामिल हुए हैं। कुल मिलाकर 20,750 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इससे पहले यह सम्मेलन बेंगलुरु, गांधीनगर और ग्रेटर नोएडा में आयोजित हो चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी का बिहार में कांग्रेस-आरजेडी पर निशाना

मां को गाली हर महिला का अपमान

नईदिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को निशाने पर लिया। उन्होंने पिछले दिनों वोटर अधिकार यात्रा के मंच से उनको दी गई मां की गाली का मुद्दा उठाया और कहा कि उनकी मां को गाली हर महिला का अपमान है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों जो हुआ, उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार में कुछ दिनों पहले जो हुआ...उसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। बिहार में आरजेडी-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईं...ये गालियां सिर्फ मेरी मां का अपमान नहीं है...ये देश की मां-बहन-बेटी का अपमान है। आप सबको भी ये देखकर और सुनकर बुरा लगा है। मैंने हर दिन, हर क्षण अपने देश के लिए पूरी मेहनत से काम किया है। और इसमें मेरी मां की बहुत बड़ी भूमिका रही है।

भारत टैरिफ विवाद के बीच व्यापार समझौते के लिए अमेरिका से कर रहा बातचीत : गोयल

नईदिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है और दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता भी अटकने की खबरें आने लगी है। इस बीच केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को स्पष्ट कर दिया भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है। यह बयान टैरिफ विवाद के बीच काफी मायने रखता है।

गोयल ने दिल्ली में स्थिरता पर उद्योग चैंबर के एक कार्यक्रम में कहा, हम बीटीए के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे हैं। हम अन्य देशों के साथ भी व्यापार वार्ता कर रहे हैं। इनमें ओमान, यूरोपीय संघ, चिली, पेरू, न्यूजीलैंड आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा, कई अन्य देश भारत के साथ संबंध बनाना चाहते हैं। दुनिया आज भारत की ताकत और उसके जनसांख्यिकीय लाभों को पहचानती है। यही कारण है कि वह हमसे जुड़ना चाहती है।

गोयल ने कहा, 140 करोड़ की आबादी बहुत बड़ी मांग और एक विशाल घरेलू बाजार बनाती है। अगर ऐसा नहीं होता, तो आप ही सोचिए कि हर कोई भारत के साथ व्यापार करने या यहां के बाजार तक बेहतर पहुंच बनाने के लिए इतना उत्सुक क्यों होता। उन्होंने उम्मीद जताई कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का निर्यात पिछले वर्ष के आंकड़ों से अधिक होगा। इसके अब 100 करोड़ डॉलर (लगभग 8,800 करोड़ रुपये) पहुंचने की उम्मीद है।

गोयल ने अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ पर कहा, भारत संकट में अवसर तलाशता है। देश का मनोबल ऊंचा है और भारतीय अर्थव्यवस्था में काफी मजबूती है। भारत किसी भी तरह के संकट में विजेता बनकर उभरेगा। सरकारी खरीद पर भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते और स्कॉच व्हिस्की पर शुल्क कटौती के संबंध में उन्होंने कहा, कोई चिंता नहीं है और भारतीय कंपनियों को भी ब्रिटेन की खरीद प्रणाली में पहुंच मिल रही है।

भारत और अमेरिका मार्च से व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने मानी मनोज जरांगे की मांग, खत्म किया 5 दिन से चल रहा अनशन

एजेंसी।

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने मराठा आरक्षण की मांग को लेकर 5 दिनों से मुंबई के आजाद मैदान पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे मराठा नेता मनोज जरांगे पाटिल की मांगे मान ली है। इसके बाद जरांगे ने अपना अनशन खत्म कर दिया। जरांगे ने कहा कि सरकार ने मराठा समुदाय को कुनबी यानी अन्य पिछड़ा वर्ग का दर्जा देने समेत अन्य मांगे मान ली है। जरांगे ने कैबिनेट मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, शिवेंद्र राजे भोंसले और जय कुमार गोरे की उप समिति के साथ बैठक के बाद कहा, हम जीत गए हैं। सरकार हमारी मुख्य मांग पर सहमत हो गई है, जिससे आरक्षण का रास्ता साफ हो गया है। सरकार की ओर से आज ही कुछ देर में जीआर यानी सरकारी आदेश जारी किया जाएगा।

जर्मन विदेश मंत्री दो दिवसीय दौरे पर बेंगलुरु पहुंचे, वैश्विक मंच पर भारत का महत्व बताया

बेंगलुरु,एजेंसी।

जर्मन संघीय विदेश मंत्री जोहान डेविड वाडेफुल भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा शुरू करने के लिए मंगलवार सुबह बेंगलुरु पहुंचे. विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार यह यात्रा 2 से 3 सितंबर तक होगी. वह दिन में दिल्ली रवाना होने से पहले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का दौरा करेंगे. वाडेफुल बुधवार को केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से भेंट करेंगे. उसके बाद नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे. उसी दिन वह देश से रवाना हो जाएंगे.

अपनी यात्रा से पहले जर्मन विदेश मंत्री ने भारत-प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक मंच पर एक प्रमुख भागीदार के रूप में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया. एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में वाडेफुल ने जर्मनी और भारत के बीच घनिष्ठ राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों पर जोर दिया.

उन्होंने सुरक्षा सहयोग, नवाचार, प्रौद्योगिकी और कुशल कार्यबल भर्ती जैसे क्षेत्रों को द्विपक्षीय संबंधों के प्रमुख स्तंभों के रूप में रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश और सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की आवाज रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र से परे भी सुनी जाती है. इसीलिए वह वार्ता के लिए बेंगलुरु पहुंचे.

वाडेफुल ने जर्मनी और भारत जैसे लोकतंत्रों के बीच स्वतः संबंधों पर भी जोर दिया. उन्होंने कहा, भारत हमारी सदी की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाता है. हम लोकतंत्र के रूप में इसमें स्वाभाविक भागीदार हैं. विशाल भू-राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए हम चाहते हैं और हमें मिलकर नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखना चाहिए. यह यात्रा पिछले महीने नई दिल्ली में जयशंकर की जर्मन सांसद जुर्गन हार्ड्ट के साथ बैठक के बाद हो रही है, जहां दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों और वैश्विक विकास पर चर्चा की थी।

12 से 13 सितंबर के बीच मणिपुर का दौरा कर सकते हैं पीएम मोदी

हिंसा प्रभावित राज्य के लोगों को बड़ी उम्मीदें

नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 से 13 सितंबर के बीच मणिपुर का दौरा कर सकते हैं. ऐसे में हिंसा प्रभावित राज्य के लोगों को उम्मीद है कि पीएम के दौरे से इस संघर्षग्रस्त क्षेत्र में शांति जरूर आएगी. मणिपुर के अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम और मिजोरम का भी दौरा करने की संभावना है. सामाजिक कार्यकर्ता और दिल्ली मेतैई समन्वय समिति (डीएमसीसी) के संयोजक डॉ. सेराम रोजे़श ने कहा कि, मणिुपुर के सभी नागरिक समाज संगठनों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मणिपुर दौरे की मांग रही है।

दो वोटर आईडी रखने के लिए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को चुनाव आयोग का नोटिस

` दो वोटर आईडी को लेकर पवन खेड़ा पर निशाना साधा

नईदिल्ली । एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को आरोप लगाया है कि कांग्रेस पार्टी के मीडिया प्रमुख पवन खेड़ा के पास दो ईपीआईसी नंबर हैं. बीजेपी ने यह आरोप ऐसे समय में लगाया है, जब राहुल गांधी ने सोमवार को बीजेपी को कथित वोट चोरी के दावों पर नया खुलासा करने की चेतावनी दी थी, जिसमें उन्होंने जल्द ही हाइड्रोजन बम गिराने की कसम खाई थी. इस संबंध में बीजेपी के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, पिछले कुछ दिनों से देश देख रहा है कि राहुल गांधी देश के कोने-कोने में जाकर आम नागरिकों को नकली और चोर कह रहे हैं...राहुल गांधी की कांग्रेस पार्टी के मीडिया प्रमुख पवन खेड़ा के पास दो ईपीआईसी नंबर हैं...राहुल गांधी का एक करीबी सहयोगी वोटों की हेराफेरी में शामिल है.उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 62, सब सेक्शन 2 के अनुसार कोई भी व्यक्ति एक से ज़्यादा विधानसभा क्षेत्रों में वोट नहीं दे सकता...अब मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं कि क्या वह मानेंगे कि असली चोर पवन खेड़ा हैं.. वहीं, भारतीय जनता पार्टी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी मंगलवार को कांग्रेस को सर्वोत्कृष्ट वोट चोर कहा और आरोप लगाया कि पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा के पास दिल्ली में दो चुनावी फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर हैं. मालवीय ने एक्स पर ईपीआईसी की डिटेल शेयर करते हुए दावा किया कि खेड़ा दो विधानसभा क्षेत्रों, जंगपुरा और नई दिल्ली, में मतदाता के रूप में रजिस्टर हैं।

इकॉनमी | ट्रंप के टैरिफ बम का मुकाबला : मोदी सरकार ने संभाला मोर्चा

टैरिफ वार : कोविड-स्टाइल राहत पैकेज और जीएसटी में कटौती की तैयारी

नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी का भारी-भरकम टैरिफ लगाने के फैसले से भारतीय निर्यातकों और कामगारों में चिंता की लहर है। इस कदम से लाखों नौकरियों पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हालांकि, केंद्र की मोदी सरकार ने ट्रंप के इस 'टैरिफ बम' से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार कर ली है। सरकार ने नकदी संकट से जूझ रहे उद्योगों को तत्काल राहत देने और निर्यात को बचाने के लिए कोविड लॉकडाउन के समय अपनाए गए मॉडल पर काम करना शुरू कर दिया है।

मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, दो वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया है कि सरकार की पहली प्राथमिकता उद्योगों, खासकर छोटे और मध्यम उद्यमों (MSMEs) के सामने खड़े नकदी के संकट को दूर करना है। ट्रंप के टैरिफ के कारण भुगतान में देरी, ऑर्डर रद्द होने और माल पहुंचने में विलंब जैसी कई समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। इन चुनौतियों से निपटने और निर्यातकों को opération जारी रखने में मदद करने के लिए, सरकार कोविड-19 महामारी के दौरान लागू की गई योजनाओं की तर्ज पर राहत पैकेज देने पर विचार कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, सरकार की विशेष नजर 'इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम' (ECLGS) जैसी योजनाओं को फिर से प्रभावी बनाने पर है। इस स्कीम के तहत उद्योगों को बिना किसी गारंटी के 100 फीसदी सरकारी गारंटी पर लोन मुहैया कराया गया था। लॉकडाउन के दौरान जब औद्योगिक गतिविधियां 68 दिनों तक ठप थीं, तब इसी योजना ने लाखों छोटे और मध्यम उद्योगों को दिवालिया होने से बचाया था। मौजूदा हालात को देखते हुए इन योजनाओं में जरूरी बदलाव भी किए जा सकते हैं। तात्कालिक राहत के अलावा, सरकार लंबी अवधि की रणनीतियों पर भी काम कर रही है। इसमें अमेरिका के अलावा नए बाजारों की तलाश करना और वैश्विक सप्लाई चेन के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था का एकीकरण मजबूत करना शामिल है। जब तक नए बाजार नहीं मिलते, तब तक निर्यातकों को हरसंभव मदद देना सरकार की प्राथमिकता है।

धंधे के लिए ट्रंप ने जोड़ा इस्लामाबाद से रिश्ता, तोड़ा इंडिया का दिल

एजेंसी ।

यूएस के फॉर्मर एनएसए जेक सुलिवन का खुलासा

वॉशिंगटन ूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान द्वारा ट्रंप के परिवार के साथ व्यापार करने की इच्छा के कारण भारत के साथ संबंध तोड़ दिए.

मीडासटच नेटवर्क के यूट्यूब चैनल को दिए एक साक्षात्कार में, सुलिवन ने भारत-अमेरिका संबंधों के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि ट्रंप का यह कदम अमेरिका के सहयोगियों के वाशिंगटन पर विश्वास को कम करता है.

जेक सुलिवन ने मीडासटच को बताया, अमेरिका ने भारत के साथ संबंध बनाने के लिए काम किया है, एक ऐसा देश जिसके साथ हमें तकनीक, प्रतिभा, अर्थशास्त्र और कई मुद्दों पर तालमेल बिठाना चाहिए. और चीन से आने वाले रणनीतिक खतरों से निपटने के लिए भी. अब, मुझे लगता है कि पाकिस्तान की ट्रंप परिवार के साथ व्यापार करने की इच्छा के कारण, ट्रंप ने भारत के साथ संबंधों को दरकिनार कर दिया है. जर्मनी या जापान उस (भारत) को देखेंगे और कहेंगे कि कल हम भी ऐसा कर सकते हैं. अमेरिका के दोस्त सोचेंगे कि वे किसी भी तरह से हम पर भरोसा नहीं कर सकते.

सुलिवन की यह टिप्पणी वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है, क्योंकि भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है. इसमें रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का जुर्माना भी शामिल है. इससे पहले, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने विश्वास व्यक्त किया था कि भारत और अमेरिका अपने बीच व्यापार तनाव को सुलझा लेंगे, क्योंकि उनका मानना था कि नई दिल्ली के मूल्य चीन और रूस की तुलना में वाशिंगटन के ज़्यादा करीब हैं.

फॉक्स बिजनेस को दिए एक साक्षात्कार में, स्कॉट बेसेंट ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के महत्व को कम करके आंका और इसे काफी हद तक औपचारिक बताया. बेसेंट ने कहा, यह एक लंबे समय से चली आ रही बैठक है, इसे शंघाई सहयोग संगठन कहा जाता है और मुझे लगता है कि यह काफी हद तक औपचारिक है.

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि अंततः भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला लोकतंत्र है. उनके मूल्य रूस की तुलना में हमारे और चीन के ज़्यादा करीब हैं. उन्होंने फॉक्स बिजनेस को बताया, मुझे लगता है कि अंततः दो महान देश इस समस्या का समाधान निकाल लेंगे. लेकिन रूसी तेल खरीदने और फिर उसे बेचने, यूक्रेन में रूसी युद्ध प्रयासों को वित्त पोषित करने के मामले में भारत कोई बड़ी भूमिका नहीं निभा रहा है. दूसरी ओर, व्हॉइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात पर भारत पर निशाना साधा।

ट्रम्प का पारस्परिक टैरिफ अवैध है, अमेरिकी संघीय अपील कोर्ट का फैसला

एजेंसी।

ब्रिस्बेन, अमेरिकी संघीय अपील अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पारस्परिक टैरिफ को अवैध करार दिया है. 7-4 के बहुमत से न्यायाधीशों ने फैसला सुनाया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने आपातकालीन शक्तियों का प्रयोग करके अपनी शक्ति का अतिक्रमण किया है. दुनिया के लगभग हर देश से आने वाली लगभग सभी वस्तुओं पर असीमित अवधि के लिए टैरिफ लगाया है.

इस फैसले से अमेरिका के साथ अभी भी बातचीत कर रहे व्यापारिक साझेदारों की रणनीतियां अस्त-व्यस्त हो जाएंगी, जो कानूनी लड़ाई के परिणाम का इंतजार करने और देखने का निर्णय ले सकते हैं. हालांकि, इस निर्णय को चुनौती देने के लिए विभिन्न विकल्प उपलब्ध हैं. लेकिन ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि अगला पड़ाव सुप्रीम कोर्ट होगा. संघीय सर्किट के लिए अमेरिकी अपील न्यायालय ने कहा कि टैरिफ 14 अक्टूबर तक लागू रहेंगे, ताकि आगे की अपील के लिए समय मिल सके. इस फैसले ने 1977 के अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के तहत कार्यकारी शक्ति की सीमाओं का परीक्षण किया. ट्रंप इस अधिनियम का उपयोग टैरिफ लगाने के लिए करने वाले पहले राष्ट्रपति हैं, जिससे कार्यकारी शक्ति के परीक्षण का मंच तैयार हो गया है. न्यायाधीशों ने ट्रंप की उस व्याख्या को खारिज कर दिया, जिसके अनुसार इससे राष्ट्रपति पर कांग्रेस की अनुमति के बिना राजस्व जुटाने की कोई सीमा नहीं होगी।

सिन्हा कलार समाज का जिला स्तरीय तीज मिलन समारोह आयोजित

महिला मंच जिलाध्यक्ष निर्मला सिन्हा ने कहा ऐसे आयोजन के माध्यम से समाज की एकजुटता बढ़ती है

संवाददाता

राजनांदगांव। नगर पंचायत लाल बहादुर नगर में बहुउद्देशीय भवन में सिन्हा कलार समाज का तीज मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा 11 बजे देव पूजन के साथ हुआ। तत्पश्चात प्रथम सत्र में खुर्सी दौड़, मटका दौड़, मोमबत्ती जलाना, गीत संगीत व पारंपरिक खेल हुआ साथ ही तीन तीज क्वीन प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र बनी रही,गीत संगीत के साथ बीच यह कार्यक्रम चलाता रहा। राजनांदगांव सिन्हा कलार समाज महिला मंच जिला अध्यक्ष निर्मला सिन्हा के नेतृत्व में आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष निर्मला जितेंद्र सिन्हा ने आप सभी को तीज पर्व की बधाई देते हुए कहा कि हर त्यौहार अच्छाई और भाईचारे का प्रतीक होता है ऐसे आयोजनों से समाज की सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि महिलाएं आगे बढ़े यह हमारा उद्देश्य है समाज एकजुट हो ऐसी हमारी प्रयास है। श्रीमती सिन्हा ने आगे कहा कि उपस्थित महिलाओं को कहा कि वह इस अवसर को आत्मिक बल और सामाजिक सद्भावना को बढ़ाने की संकल्प के रूप में ले और भविष्य में इस आयोजन को और अधिक भव्यता के साथ मनाएं। इस तरह के आयोजन कर युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों जैसे शिक्षा,व्यवसाय, खेल और सामाजिक सेवा में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना चाहिए ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज की एकजुटता बढ़ती है।

तीज मिलन समारोह मे बतौर अतिथि के रूप में जिला पंचायत के अध्यक्ष किरण वैष्णव, प्रदेश अध्यक्ष महिला मंच की प्रमिला सिन्हा ,उपाध्यक्ष किरण साहू ,जिल पंचायत सदस्य शिला सिन्हा,सभापति प्रशांत कोड़ापे,भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज कांडे,प्रदेश महिला कांग्रेस की महामंत्री राजकुमारी सिन्हा, जनपद अध्यक्ष लता सिन्हा,नगर पंचायत अध्यक्ष देवेंद्र साहू सहित पार्षदगण अतिथि के रूप मे उपस्थित थे।कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 11 बजे देव पूजन से हुआ।

प्रथम सत्र में खुर्सी दौड़, मटका फोड़, मोमबत्ती जलाना, गीत-संगीत व पारंपरिक खेल का आरंभ हुआ साथ ही तीज क्वीन प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र बनी रही ,गीत संगीत के बीच यह कार्यक्रम चलता रहा तीज मिलन समारोह में महिलाओं के उत्साह वर्धन के लिए बच्चे बुजुर्ग,युवा सभी शामिल हुए कार्यकम में अतिथियों का सम्मान किया।

प्रदेश महिला मंच अध्यक्ष प्रमिला सिन्हा सहित कई पदाधिकारी शामिल हुए कार्यकम के संबद्ध में जिला प्रचार प्रसार मंत्री पवन सिन्हा , जितेंद्र सिन्हा ने बताया कि समाज की महिलाओं के द्वारा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने व आशीर्वाद प्रदान करने जिले संरक्षक ठाकुर राम सिन्हा, अध्यक्ष शिवशंकर डड़सेना, महिला मंच अध्यक्ष निर्मला सिन्हा समेत कार्यकारिणी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित आयोजन में मुख्य रूप रूप मे पधारे छत्तीसगढ़ कलार समाज के प्रदेश संरक्षक दीपक कुमार सिन्हा प्रदेश महामंत्री रिखिराम सिन्हा प्रदेश कोषाध्यक्ष डॉ बिसंभर सिन्हा प्रदेश वरिष्ठ भाजपा उपाध्यक्ष चन्द्रिका प्रसाद डड़सेना राजनितिक प्रकोष्ठ सदस्य एकनाथ सिन्हा महिला मंच संरक्षक किरण सिन्हा प्रदेश अध्यक्ष प्रमिला सिन्हा प्रदेश महामंत्री त्रिवेणी सिन्हा राजनांदगाव जिलाध्यक्ष शिव शंकर डड़सेना महामंत्री गंगा राम सिन्हा कोषाध्यक्ष पूनम सिन्हा राजनांदगाव महिला मंच अध्यक्ष निर्मला जीतेन्द्र सिन्हा महामंत्री चंद्रा सिन्हा कोषाध्यक्ष हंसा सिन्हा महिला मंच कार्यकारिणी सदस्य अनीता सिन्हा उषा सिन्हा पूर्व जनपद सदस्य युवा मंच जिलाध्यक्ष लुकेश सिन्हा कोषाध्यक्ष टीकम सिन्हा एल.बी नगर मंडल महिला मंच अध्यक्ष पुष्पा सिन्हा राजनांदगाव जनपद उपाध्यक्ष अनीता डागेन्द्र सिन्हा, ग्राम कोटरा सरार के महिला सरपंच धनेश्वरी जनक सिन्हा ग्राम गिरगांव तिलेश्वरी गिरधारी सिन्हा के महिला सरपंच एवं समस्त राजनांदगाव जिला एवं ग्राम के महिलाओ व महिला प्रमुख ग्राम प्रमुख यह कार्यक्रम मे शामिल हुए।

हादसे में घायल ट्रैक्टर चालक ने राशन से भरा ट्रक रोका, इलाज का खर्च न मिलने पर किया विरोध

गरियाबंद, गरियाबंद जिले के घुमरा पदर में एक पुराने सड़क हादसे को लेकर रविवार शाम को विवाद खड़ा हो गया। एक साल पहले पीडीएस ट्रक की टक्कर से घायल हुए ट्रैक्टर चालक जितेंद्र नागेश ने इलाज का खर्च नहीं मिलने से नाराज होकर राशन लेकर पहुंचे ट्रक को रोक दिया। जितेंद्र का आरोप है कि ट्रांसपोर्टर से कागजों पर समझौता होने के बावजूद इलाज में खर्च हुए 83 हजार रुपये की भरपाई नहीं की गई। उसने कहा कि जब तक यह राशि नहीं दी जाती, वह ट्रक को नहीं छोड़ेगा। घटना रविवार शाम की है, जब अमलीपदर तहसील के होरा ट्रांसपोर्टर का ट्रक राशन पहुंचाने घुमरा पदर की राशन दुकान आया था। ट्रक को देखकर जितेंद्र ने उसे तुरंत रोक लिया और राशन खाली नहीं करने दिया। चालक और मजदूरों को भी खाली हाथ वापस भेज दिया गया। ट्रक तब से राशन दुकान के पास ही खड़ा है, और जितेंद्र पूरी रात उसकी निगरानी करता रहा। रात में ट्रांसपोर्टर के एजेंट ने बातचीत कर ट्रक छुड़वाने की कोशिश की, लेकिन जितेंद्र अपने इलाज के खर्च की भरपाई की मांग पर अड़ा रहा। उसका कहना है कि इलाज पर कुल ढाई लाख रुपये खर्च हुए, जिसमें से 83 हजार रुपये घर से खर्च करना पड़ा, जो उसकी पत्नी ने जेवर बेचकर जुटाए। इस रकम को लौटाने की बात ट्रांसपोर्टर ने स्टाम्प पेपर पर लिखित समझौते में मानी थी, लेकिन एक साल बाद भी पैसा नहीं दिया गया। 20 सितंबर 2024 को हुई दुर्घटना के बारे में बताया गया कि राशन खाली करने के बाद ट्रक आगे नहीं बढ़ पा रहा था, इसलिए जितेंद्र ने अपने ट्रैक्टर से उसे धकेलने में मदद की। इसी दौरान ट्रक पीछे लुढ़क गया और ट्रैक्टर पलट गया।

दीदी के गोठ का सुकमा जिले में हुआ प्रसारण

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने दीदियों को प्रेरित किया, स्व-सहायता समूहों की सफलता की कहानियाँ बनी मिसाल

सुकमा, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'' के तहत स्व-सहायता समूहों की सफलता की कहानियों पर आधारित विशेष प्रसारण ''दीदी के गोठ'' का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम राजधानी रायपुर से प्रसारित हुआ। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत श्री मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में सुकमा जिले के सभी जनपद एवं संकुल स्तरों पर एक साथ देखा और सुना गया।

मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री का संदेश

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्व-सहायता समूह की दीदियों को निरंतर आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री (पंचायत एवं ग्रामीण विकास) शिवराज सिंह चौहान ने अपने संदेश में ग्रामीण विकास की असली ताकत महिलाओं में निहित बताते हुए दीदियों को नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भी अपने संदेश में समूहों को संगठित होकर कृषि एवं गैर-कृषि आधारित गतिविधियों को अपनाकर आजीविका बढ़ाने की बात कही।

जिले में हुआ सामूहिक प्रसारण

जिला सुकमा के सभी जनपद पंचायतों एवं संकुल स्तरीय कार्यालयों में ''दीदी के गोठ'' का सामूहिक प्रसारण किया गया। इस अवसर पर माननीय, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के सदस्य, अन्य जनप्रतिनिधि, बिहान के अधिकारी-कर्मचारी, सक्रिय महिला कैडर एवं बड़ी संख्या में स्व-सहायता समूह की सदस्याएँ उपस्थित थी।

लखपति दीदी बनने की प्रेरणा

जनप्रतिनिधियों ने अपने उद्बोधन में बिहान से जुड़ी महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्व-सहायता समूह की महिलाएँ संगठित होकर कृषि कार्य एवं व्यवसायिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाएँ। इससे न केवल उनकी आमदनी में वृद्धि होगी बल्कि वे 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में भी अग्रसर होंगी।

दीदियों ने साझा की सफलता की कहानियाँ कार्यक्रम में शामिल दीदियों ने बिहान से जुड़कर अपने जीवन में आए सकारात्मक बदलावों और सफलता की कहानियों को साझा किया।

डेरी संचालकों की बैठक :

चारा महंगा, परिवहन में बाधा, जल्द बढ़ सकती है दूध की कीमतें

भिलाई,

भिलाई के गोकुल नगर में रविवार को रायपुर और दुर्ग जिले के डेरी संचालकों की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में डेरी संचालन में आ रही विभिन्न समस्याओं को लेकर गहरी चिंता जाहिर की गई।

बैठक में प्रमुख रूप से जानवरों के परिवहन में आ रही दिक्कतें, पशु चारे की बढ़ती कीमतें और दूध की कीमतों में अपेक्षित वृद्धि जैसे मुद्दे उठाए गए। डेरी संचालक अशोक यादव ने बताया कि दुधारू पशुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाते समय कुछ असामाजिक तत्व वाहन रोककर बेवजह परेशान करते हैं, जिससे परिवहन प्रक्रिया बाधित हो रही है। इसके अलावा, पशु चारे के रूप में इस्तेमाल होने वाले पैरा व कुट्टी की कीमतों में हाल ही में भारी इजाफा हुआ है, जिससे पशुओं का पालन महंगा होता जा रहा है। यादव ने कहा कि लागत बढ़ने के बावजूद दूध की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं हुई, जिससे डेरी व्यवसायियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। बैठक में मौजूद सभी डेरी संचालकों ने सहमति जताई कि जल्द ही दूध की कीमतों में वृद्धि की जाएगी, ताकि व्यवसाय को नुकसान से बचाया जा सके। साथ ही, डेरी संचालकों ने यह भी निर्णय लिया कि वे जल्द ही मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याएं सामने रखेंगे, जिसमें पशु परिवहन में आ रही परेशानियों का मुद्दा भी प्रमुख होगा।

स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने स्वास्थ्य केंद्रों का लगातार किया जा रहा निरीक्षण

0 अव्यवस्था पाए जाने पर हो रही है सख्त कार्यवाही, आठ चिकित्सकों को जारी किया गया कारण बताओ नोटिस

जशपुरनगर,( )। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देश पर जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ और जनोन्मुखी बनाने हेतु व्यापक अभियान के अंतर्गत लगातार स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है और अव्यवस्था पाए जाने पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में राजस्व विभाग के अधिकारियों और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी एस जात्रा द्वारा रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसरई, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरसाबहार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तमता, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मैनी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बगीचा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुलदुला, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनोरा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुनकुरी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सन्ना का अकस्मात निरीक्षण किया गया। उन्होंने इन स्वास्थ्य केंद्रों में जनसुविधा हेतु सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, दवाइयों का स्टॉक, स्वच्छता व्यवस्था, कर्मचारियों की उपस्थिति, प्रसव कक्ष और लैब की कार्यप्रणाली का बारीकी से निरीक्षण किया और उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों को सेवा भाव के साथ कार्य करने को कहा। इसके साथ अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसरई के निरीक्षण के दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अनुपस्थित होने की वजह से चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी पैंकरा को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। इसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरसाबहार के बीएमओ डॉ. विनय भगत को स्वास्थ्य केंद्र में अव्यवस्था पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तमता के चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण किण्डो को कार्यक्षेत्र में अनुपस्थित रहने की वजह से कारण बताओ नोटिस और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मैनी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. छाया लकड़ा और डॉ. अदिति मोना टोप्पो को स्वास्थ्य केंद्र बंद पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सन्ना के होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्यामवती भगत, चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीतीश आनंद सोनवानी और डॉ. कृष्णा गुप्ता को अपने कार्यक्षेत्र में अनुपस्थित रहने की वजह से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत तीन दिवसीय प्रशिक्षण का विधायक सम्पत अग्रवाल ने किया शुभारम्भ

आदि कर्मयोगी अभियान वास्तव में एक परिवर्तनकारी राष्ट्रीय आंदोलन है - विधायक

जिले में 308 ग्रामों में क्रियान्वित किया जाएगा आदि कर्मयोगी अभियान - जिला सीईओ

महासमुंद संवाददाता

जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने हेतु आदि कर्मयोगी नामक नई पहल की गई है। इस अभियान के अंतर्गत विकासखण्ड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ आज बसना विधायक श्री सम्पत अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्री सचिन भूतड़ा, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्रीमती शिल्पा साय सहित राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स, जनजाति समुदाय के प्रतिनिधि, विकासखण्ड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स और स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक श्री सम्पत अग्रवाल ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान वास्तव में एक परिवर्तनकारी राष्ट्रीय आंदोलन है। जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास दूरदर्शी आव्हान का प्रतीक है तथा विकसित भारत के व्यापक रूपरेखा है। उन्होंने कहा कि आज ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण जिसमें जिले के जनजाति समुदायों को शासन की विभिन्न योजनाओं का वास्तविक लाभ और उनकी समस्याओं को नजदीक से जानने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। निश्चित ही यह प्रशिक्षण कार्यक्रम समाज के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि धरती आबा जनजाति कार्यक्रम में अब योजनाएं उनके समग्र विकास के लिए बनेंगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हेमंत नंदनवार ने कहा कि पहले योजनाएं ऊपर से नीचे की ओर आती थी। इस कार्यक्रम में अब योजनाएं धरातल पर बनेगी और इसका क्रियान्वयन के लिए जनसमुदाय भी आगे आएंगे।

आयुक्त ने सड़कों के सौंदर्यीकरण के लिए लगाए जा रहे डिजाइनर पोल का किया निरीक्षण

भिलाईनगर, नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक 01 नेहरू नगर भेलवा तालाब में आवश्यक सुधार कार्य, जुनवानी, आनंद नगर में स्वीकृत रोड निर्माण, डिजाइनर पोल एवं तालाब की साफ-सफाई का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

आयुक्त पाण्डेय ने नेहरू नगर स्थित भेलवा तालाब के साफ-सफाई व्यवस्था को देखे और आवश्यक सुधार हेतु जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत को निर्देशित किए। जुनवानी एवं आनंद नगर में नया रोड निर्माण किया जाना है, उक्त स्थल का अवलोकन कर रोड निर्माण कार्य शीध्र ही प्रारंभ करने निर्देशित किए हैं। मॉडल टाउन में नेहरू नगर से सूर्या मॉल तक तक रोड सौंदर्यीकरण हेतु डिजाइनर पोल लगाया जा रहा है। जिसका निरीक्षण कर आयुक्त ने कार्य अतिशीध्र पूर्ण करने निर्देशित किए है। जिससे आगामी त्यौहार से पहले शहर के सड़को की प्रकाश व्यवस्था सुगम हो सके। आयुक्त ने कोहका आमा तालाब में साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार करते हुए सौंदर्यीकरण हेतु निर्देशित किए है। आकर्षक सौंदर्यीकरण, फाऊंटेन, बोटिंग के साथ-साथ रोड से लगे हुए तालाबों में फूड जोन हेतु कुछ दुकानों का निर्माण हेतु चर्चा किया गया है । भेलवा तालाब, आमा तालाब एवं संजय नगर तालाब में व्यवस्थाओं के सुधार हेतु अच्छी पहल होगी ।निरीक्षण के दौरान अभियंता पुरूषोत्तम सिन्हा, बसंत साहू, चंदन निर्मल, सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला उपस्थित रहे।

सुरों के साधक एवं इंसेंटिव अवार्ड से सम्मानित संगीताचार्य संजू नागदेवे को दी गई भावभीनी विदाई

राजनांदगांव। केंद्रीय विद्यालय डोंगरगढ़ का प्रांगण उस समय भावनाओं से सराबोर हो उठा जब 30 वर्षों तक अपनी सेवाएँ विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों में समर्पित करने वाले वरिष्ठ संगीत शिक्षक संजू नागदेवे को 30अगस्त 2025 भावभीनी विदाई दी गई। यह अवसर केवल एक औपचारिक आयोजन न होकर, गुरु-शिष्य संबंध, स्नेह और आत्मीयता का अनुपम संगम बन गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना से हुआ। सरगम की मधुर लहरियों से सजे इस वातावरण में विद्यार्थियों ने गीत और नृत्य प्रस्तुत कर अपने प्रिय शिक्षक के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। सहकर्मी शिक्षकों ने अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि श्री नागदेवे ने जहाँ भी कार्य किया, वहाँ संगीत शिक्षा को नई ऊँचाइयाँ दीं और विद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाया।

विद्यालय के प्राचार्य एस. के. कुजूर ने उन्हें शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित करते हुए कहा–÷संगीत आत्मा की भाषा है और श्री संजू नागदेवे ने इस भाषा को अपने जीवन का आधार बनाया। विभिन्न विद्यालयों में अपनी 30 वर्षों की सेवा के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों में न केवल संगीत का संस्कार जगाया, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया। उनकी सेवाएँ सदैव स्मरणीय रहेंगी।

अपने उद्बोधन में भावविभोर होते हुए संजू नागदेवे,संगीत शिक्षक ने कहा–÷इन तीन दशकों की यात्रा में मुझे कई विद्यालयों में कार्य करने का अवसर मिला। हर विद्यालय ने मुझे कुछ नया सिखाया और हर विद्यार्थी ने मेरी जीवन-धुन में एक स्वर जोड़ा। आज मैं इस परिवार से विदा ले रहा हूँ, परंतु इसकी स्मृतियाँ और स्नेह जीवनपर्यंत मेरे साथ रहेंगे।

÷गौरतलब है कि उनकी उत्कृष्ट सेवाओं को देखते हुए केंद्रीय विद्यालय संगठन ने उन्हें इंसेंटिव अवार्ड से सम्मानित किया है, जो उनकी प्रतिभा और समर्पण का प्रमाण है। समापन की बेला में सहकर्मी साथियों वसीम खान, संतोष कुमार के.एस, अमिताव अधिकारी ,दीपक चंद्राकर , अमित येड़पुड़े सहित अन्य शिक्षकों ने उन्हें भावभीनी शब्दों और पुष्पगुच्छों के साथ विदा किया।कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत ÷गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु...÷ स्तुति ने वातावरण को भावविभोर कर दिया। आँखों में नमी और हृदय में उमंग के बीच यह विदाई एक ऐसा अविस्मरणीय क्षण बन गई जिसने सबको भावुक कर दिया। अंततः एक स्वर गूँजा–÷श्री संजू नागदेवे का सरल स्वभाव, संगीत साधना और मार्गदर्शन सदैव इस विद्यालय की अमूल्य धरोहर रहेगा।÷

पूर्व सरकार के खाली-बंजर पड़े गोठानों में शुरू हुआ महुआ बचाओ अभियान वनमंडल मनेंद्रगढ़ की विशेष पहल, गोठानों का हो रहा समुचित उपयोग

मनेंद्रगढ़, वनमंडल के डीएफओ मनीष कश्यप ने विशेष पहल की है।ख़ाली पड़े गोठानों में महुआ बचाओ अभियान के तहत महुआ पौधे लगा के इसको हरा-भरा किया जा रहा है।गोठानों में फेंसिंग पहले से थी, जो चोरी हो रहा था।वन विभाग ने फेंसिंग मरम्मत करके इसमें महुआ के पौधे लगा दिए जिससे ये क्षेत्र अतिक्रमण से बच गया और ग्रामीणों का भविष्य में महुआ से आय भी सुनिश्चित हो गई है ।अब तक मनेंद्रगढ़ वनमंडल के 98 गोठान में लगभग 60 हज़ार महुआ के पौधे रोपे जा चुके है।इसके लिए हर ग्राम पंचायत से हल्ह्ष्ट लिया गया और प्रत्येक गोठान में स्थानीय जनप्रतिनिधि ने पौधे लगा के इस अभियान की शुरुवात की। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने पाँच वर्ष के कार्यकाल में गोबर और गोठान पे विशेष फोकस रखा।बावजूद इसके आज सभी गोठान ख़ाली और बंजर पड़े है।हर गाँव में गोठान बनाया गया।छत्तीसगढ़ में लगभग 8 हज़ार गोठान बनाये गए जिसमे औसतन हर गोठान में 50 लाख तक खर्च किया गया। गाँव के मूलभूत जरूरत को पूरा ना करके गोठान बनाया गया जिसका कोई फायदा ही नहीं हुआ।ग्रामीण इलाकों में इसका पिछली सरकार का बहुत नकारात्मक छवि बनी।गोठानों में अब अतिक्रमण हो रहा है और असामाजिक तत्वों का ये अड्डा बनते जा रहा है। महुआ पेड़ो की घटती संख्या चिंता का विषय है।सबसे बड़ी समस्या इनकी पुनरुत्पादन की है।जंगल में तो महुआ पर्याप्त है, पर आदिवासियो के द्वारा अधिक्तर महुआ का संग्रहण गाँव के ख़ाली पड़े ज़मीन और खेत के मेड़ो पे लगे महुआ से होती है।अगर आप बस्तर और सरगुज़ा के किसी गाँव में जाये तो उनके खेतों के पार और ख़ाली ज़मीन में सिर्फ़बड़े महुआ के पेड़ ही बचे दिखते है।छोटे और मध्यम आयु के पेड़ लगभग नगण्य होती हैं। ग्रामीणों के द्वारा महुआ संग्रहण से पहले ज़मीन साफ़करने हेतु आग लगाई जाती है, उसी के कारण एक भी महुआ के पौधे ज़िंदा नहीं रहते।ग्रामीण महुआ के सभी बीज को भी संग्रहण कर लेते है, ये भी एक कारण है महुआ के ख़त्म होने का।आख़िर बड़े महुआ पेड़ कब तक जीवित रह पायेंगे। छत्तीसगढ़ के महुआ पेड़ बूढ़े हो रहे है।महुआ पेड़ की औसत आयु 60 वर्ष है ।अगर जंगल के बाहर इनके पुनरुत्पादन पर ध्यान नहीं दिया गया तो ये जल्द ही ख़त्म हो जाएँगे।एक महुआ के पेड़ से एक आदिवासी परिवार औसतन 2 क्विंटल फूल और 50 किलो बीज प्राप्त कर लेता है जिसकी क़ीमत लगभग 10 हज़ार होती है।

भारत सरकार (पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग) ने भी सभी राज्यो के वन विभाग को पत्र लिखा है की वृक्षारोपण में महुआ के पौधे ज़्यादा से ज़्यादा लगाये जाए। मनेंद्रगढ़ में महुआ बचाओ अभियान की शुरुवात पिछले वर्ष ही हो गई थी। ग्रामीणों को 30 हज़ार ट्री गार्ड देके महुआ पौधे लगवाये गए थे। इसका ग्रामीणों में जबरदस्त उत्साह था ।इसको देखते हुए इस वर्ष अब तक 1.12 लाख पौधे लगाए जा चुके है।जिसमे ग्रामीणो के यहाँ 30 हज़ार पौधे ट्रीगार्ड में, 22 हज़ार पौधे बाड़ी में, और 60 हज़ार पौधे गोठानों में लगाया गया है।ग्रामीण इससे बहुत खुश है। इस महुआ बचाओ अभियान के लिए पिछ्ले वर्ष 2015 बैच के आईएफएस मनीष कश्यप को दिल्ली में नेक्सस ऑफ़ गुडफाउंडेशन के अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।बस्तर और सरगुजा के आदिवासी अंचल के लिए महुआ का पेड़ विशेष महत्व रखता है।

चना खरीदी की आफ्शन टेंडर जारी, बड़े व्यापारी ठेका लेने हुए सक्रिय

आदिवासी जिलों में राशन दुकानों के माध्यम से किया जाएगा वितरण

50 करोड़ से अधिक के टैंडर के लिए व्यापारी हो रहे लामबंद

रायपुर, लोकशक्ति

छग में मॉडल क्षेत्र कहे जाने वाले आदिवासी जिलों में चना का वितरण किया जाएगा। इसके लिए सरकार द्वारा अधिकारिक रूप से केबिनेट में निर्णय लिया गया है। जिसके तहत नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा वर्ष 2025 26 के लिए चना क्रय हेतु आफ्शन टैंडर जारी कर दिया गया है। नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक अटल नगर नवा रायपुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार छग में करीब पांच सौ क्विं. से अधिक चना की खरीदी की जाएगी जिसका मूल्य 50 करोड़ से अधिक होने की संभावना है। नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा इसके लिए विज्ञापन जारी कर

दिया गया है इच्छुक पार्टियां 1 सितंबर को अपना निविदा फार्म भर सकती है। आठ सितंबर को निगम के मुख्यालय अटल नगर में इस पर चर्चा होगी। अंतिम तिथि 12 सितंबर रखी गई है। इच्छुक निविदाकार इसमें निर्धारित शर्तों के साथ आवेदन दे सकते हैं। इसकी निविदा 29 सितंबर को खोली जाएगी। प्रबंध संचालक के अनुसार इसके लिए निगम के वेबसाइट में आवश्यक शर्तों का पालन किया जा सकता है।

निविदा लेने के लिए सिंडीकेट हुआ सक्रिय

राजधानी के चना आपूर्तिकर्ताओं ने टेंडर लेने के लिए अपना सिंडीकेट बना लिया है। जिसके तहत उच्च राजनीति पहुंच के आधार पर यह टैंडर लेने के लिए सत्तारूढ़ दल और नागरिक आपूर्ति मंत्री के निवास में बोली लगाने वालों का गिरोह सक्रिय हो गया है। केबिनेट में इसको लेकर आदिवासी मंत्रियों में काफी विवाद हुआ था लेकिन बाद में इसे हल कर लिया गया है। मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र से ही कई इच्छुक व्यापारी ठेका लेने के लिए प्रयासरत है जिसके लिए काफी उठापटक चल रही है। आदिवासी बच्चों को पौष्टिक आहार देने के लिए इसका वितरण किया जाता है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन दुकानों से इसका वितरण किया जाएगा। छग में आदिवासी बच्चों को चना दिया जाएगा। प्रदेश में कुल 12 से अधिक नोटिफाइल जिले है जिसमें आदिवासी रहते हैं।

रायपुर प्रेस क्लब में तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी 3 से

वरिष्ठ फोटोग्राफर एवं राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता स्व. विनय शर्मा की स्मृति में आयोजन

रायपुर, लोकशक्ति।

विश्व फोटोग्राफी दिवस के उपलक्ष्य में रायपुर प्रेस क्लब द्वारा वरिष्ठ फोटोग्राफर एवं राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता स्वर्गीय विनय शर्मा की स्मृति में तीन दिवसीय फ ोटोग्राफ ी प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 3 से 5 सितंबर 2025 तक प्रेस क्लब परिसर में होगा। प्रदर्शनी का उद्घाटन 3 सितंबर को अपराह्न 3 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल होंगे। अध्यक्षता वरिष्ठ फोटोग्राफर एवं प्रेस क्लब के पूर्व महासचिव श्री गोकुल सोनी करेंगे। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में दैनिक भास्कर के स्थानीय संपादक श्री हर्ष पांडेय उपस्थित रहेंगे।

इस वर्ष फ ोटोग्राफ ी प्रतियोगिता चार कैटेगरी में आयोजित की जा रही है। इसमें 25 सालों का छत्तीसगढ़, हेरिटेज, नेचर और ड्रोन फोटोग्राफ ी (विशेष कैटेगरी) शामिल है। प्रतियोगिता में मीडिया जगत से जुड़े कुल 31 फोटोग्राफर भाग ले रहे हैं। ड्रोन से खींची गई तस्वीरें पहली बार प्रतियोगिता में शामिल की गई हैं। इसके साथ ही स्व. विनय शर्मा द्वारा खींची गई चुनिंदा तस्वीरों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर और महासचिव डॉ. वैभव शिव पांडेय ने बताया कि प्रदर्शनी का समय प्रतिदिन दोपहर 12 से शाम 7 बजे तक रहेगा। यह प्रदर्शनी विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी खुली रहेगी। श्री ठाकुर ने कहा कि यह आयोजन न केवल फोटोग्राफरों के लिए अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर है, बल्कि शहरवासियों को छत्तीसगढ़ की धरोहर, प्रकृति और राज्य के बदलते स्वरूप को कैमरे की नजर से देखने का अवसर मिलेगा।

दिगंबर जैन जिनालयों में उत्तम शौच धर्म की आराधना की गई मंदिरों में हुआ अभिषेक,शांति धारा, और पूजन

लोकशक्ति

रायपुर, संवाददाता।

दिगंबर जैन समाज ने पर्युषण पर्व के दसलक्षण पर्व के चौथे दिन रविवार को उत्तम शौच धर्म मनाया। राजधानी रायपुर के श्री श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर की सभी वेदियों में विशेष आयोजन हुए। सुबह से ही मंदिरों में श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा और शौच धर्म की पूजा की गई। पुष्पदंत नाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर भगवान को लड्डू अर्पित किए। पूर्व उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू ने शौच धर्म का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि शौच धर्म का अर्थ है लोभ न करना। मन में शुद्धि और पवित्रता को धारण कर लोभ का त्याग करना ही शौच धर्म है। उन्होंने बताया कि जिस तरह शरीर को बाहर से साफ किया जाता है, उसी तरह मन को भी साफकरना शौच धर्म का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मनुष्य भौतिक सुख पाने के लिए लोभ के वश में होकर गलत कार्य कर लेता है। इससे बाद में उसे कष्ट भोगना पड़ता है। इसलिए सभी को शौच धर्म का पालन कर लोभ का त्याग करना चाहिए। कार्यक्रम में मंगल आरती के

साथ देव शास्त्र गुरु पूजन,दस लक्षण पूजन,मोक्ष कल्याणक पूजन,निर्वाण कांड पढ़ कर लाडू चढ़ाया गया। इस अवसर पर पूर्व उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू, इंजीनियर राजीव जैन,अशोक जैन,आदेश जैन, संदीप जैन,श्रद्धेय जैन,नीरज जैन,नरेंद्र जैन,निलेश जैन,राज जैन,कृष जैन, उपस्थित थे।

राष्ट्रीय फार्माकोलॉजी दिवस, कर्नल सर रमनाथ चोपड़ा को श्रद्धांजलि

रायपुर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईआईएमएस) रायपुर ने शुक्रवार को राष्ट्रीय फार्माकोलॉजी दिवस का आयोजन किया। यह दिवस भारतीय फार्माकोलॉजी के जनक माने जाने वाले कर्नल सर रमनाथ चोपड़ा की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने किया। उन्होंने कहा कि कर्नल चोपड़ा ने भारत में फार्माकोलॉजी को एक वैज्ञानिक विधा के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर डीन (एकेडमिक्स) प्रो. (डॉ.) एली मोहापात्रा भी मौजूद रहे। इस आयोजन में पं. जेएनएम मेडिकल कॉलेज, अभिषेक मिश्रा मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसबीआईएमएस) और रायपुर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के फार्माकोलॉजिस्ट्स भी शामिल हुए। इससे विभिन्न संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग को नई दिशा मिली।

फार्माकोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.)

नितिन गायकवाड़ ने स्वागत भाषण में दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इसके बाद अतिथियों ने कर्नल चोपड़ा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर औपचारिक उद्घाटन किया। वैज्ञानिक व्याख्यान श्रृंखला में डॉ. योगेंद्र केचे ने कर्नल चोपड़ा के जीवन और योगदान पर विचार रखे। डॉ. सूर्यप्रकाश धनैरिया ने आवश्यक औषधियाँ और दवाओं के तर्कसंगत उपयोग विषय पर व्याख्यान देते हुए इनके सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्व को रेखांकित किया। वहीं, डॉ. उषा जोशी ने स्वास्थ्य सेवा और अनुसंधान में फार्माकोलॉजिस्ट्स की भूमिका विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का समापन आयोजन सचिव एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आलोक सिंह के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों, छात्रों और सहयोगी संस्थानों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम की सफलता में डॉ. पुगझेंथन टी., डॉ. प्रफुल्ल थावरे, डॉ. समीर उत्तमराव खसबगे, विभाग के रेज़िडेंट्स (एसआर व जेआर) और कार्यालयीन स्टाफ की भूमिका को विशेष रूप से सराहा गया।

यह आयोजन न केवल कर्नल सर रमनाथ चोपड़ा के योगदान को नमन था, बल्कि फार्माकोलॉजी के क्षेत्र में तर्कसंगत दवा उपयोग, रोगी सुरक्षा और अनुसंधान की आवश्यकता पर भी बल देता है। एआईआईएमएस रायपुर ने इस अवसर पर स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

चाकू लहराकर लोगों को डराते-धमकाते आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, राजधानी रायपुर की थाना आजाद चौक पुलिस ने रामकुंड में चाकू लहराकर आम लोगों को डरा रहे एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 01.09.2025 को पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि रामकुंड सरदार गली मे एक व्यक्ति अपने हाथ में चाकू रखकर लहराते हुए आम जनता को डरा धमका रहा है। उक्त सूचना पर थाना आजाद चौक पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी रूपेश तांडी पिता कार्तिक तांडी उम्र 23 वर्ष निवासी रामकुंड उछला तालाब उडिया वस्ती रायपुर का चाकू लहराते मिला जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया तथा आरोपी के हाथ से एक नग चाकू छीनकर चाकू को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 25,27 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया है।

'स्टार्ट स्मार्ट, ग्रो फास्ट' विषय पर पहली जनरल बॉडी मीटिंग का सफल आयोजन

रायपुर, । राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस के उपलक्ष्य पर छोटे, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यमों (MSME) की भूमिका को पहचानना और उनके महत्व को रेखांकित करने छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की महिला विंग ने चेंबर भवन में अपनी पहली जनरल बॉडी मीटिंग 'स्टार्ट स्मार्ट, ग्रो फास्ट' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को उनके व्यवसाय को बढ़ाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना था ।

महिला चेंबर अध्यक्ष डॉ. ईला गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता मंजूषा परियल जी रहीं जिन्हें किसी पहचान की जरूरत नहीं वे स्वयं में एक पहचान हैं, वे मैनेजिंग डायरेक्टर ए एन एम स्ट्रैटेजिक एंड मनेजमेंट कंसल्टेंट एंड सी आई आई काउंसलिंग मेंटोर एंड बिजनेस कोच हैं जिन्होंने कई महिलाओं को उड़ान भरने के लिए पंख दिए सपने देखने का जज़्बा जगाया और उनको साकार करने की हिम्मत भी दी आज कई महिलाएं आपसे प्रेरित होकर एक सफल बिजनेस विमेन के रूप में खुद को स्थापित कर चुकी है। इसी कड़ी में कल का विषय रहेगा आपके सपने और बिजनेस को कैसे स्मार्टली

शुरू करें और किस प्रकार से बिजनेस को बढ़ाया जा सकता है बिजनेस के गुर सिखाने के साथ ये समझाएंगे की कि कैसे इस टेक्नीक से आप आर्थिक रूप से मजबूत बन सकते हैं और समाज में अपनी स्वयं की पहचान बना सकते साथ ही उनसे कुछ सवालों के जवाब भी हम ले सकेंगे और इसी के साथ ही कार्यक्रम को और मजेदार बनाने के लिए गेम्स भी होंगे जो शीलू शर्मा जी के द्वारा खिलवाए जाएंगे।

दूसरी वक्ता रहीं ऋचु जैन जी वे भी किसी परिचय की मोहताज नहीं है वे बी. एस. सी. में गोल्डमेडलिस्ट रही हैं हैं विद्या की ज्ञाता हैं रिसॉर्स मैनेजमेंट में कार्यरत हैं साथ ही आप सी.ए. हैं।

साथ ही एटी के संचालक चेंबर के सलाहकार श्री तिलोकचंद बड़रिया महिला चैंबर प्रभारी के पद पर मनोनीत होंने पर उनको सम्मानित किया गया। महिलाओं की काबिलियत को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है चेंबर ऑफ कॉमर्स द्य चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज महिला विंग द्वारा एक नई पहल होने जा रही है जहां उन महिलाओं को भी एक नई पहचान मिलेगी जो अब तक अपने घर तक सीमित रह कर काम कर रही थीं । साथ ही महिला चैम्बर द्वारा बाज़ार हर माह के दूसरे और चौथे बुधवार ,फ्री ऑफ़कॉस्ट स्टाल महिलाओं को दिया जाएगा ,जिसका प्रमोशन महिला विंग करेगी । ये शानदार पहल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की अध्यक्ष डॉ इला गुप्ता द्वारा की गई जो एक ऐतिहासिक कदम है इससे न केवल महिलाएं अपनी खुद की पहचान बनाएगी बल्कि उनके अंदर एक आत्म विश्वास भी जागेगा की वो कुछ भी कर सकती हैं। इस कार्यक्रम में चैंबर की महामंत्री - मनीषा तारवानी, कोषाध्यक्ष- नम्रता अग्रवाल, कार्यकारी - अध्यक्ष मंजूषा पटले, मधुबाला सिंह, चैंबर की विकासीय सलाहकार - ऋतु जैन,मंजूषा परियल, ,वित्तीय सलाहकार - सोमा घोष ,हेमल बेन शाह, रायपुर प्रभारी - स्वप्निल मिश्रा।

पार्षद निधि मद की जानकारी पार्षदों को आवश्यक रूप से उपलब्ध कराएंः महापौर

समिति सदस्य पार्षदो को विभिन्न मदो और योजनाओ की आवश्यक जानकारी देने दिये निर्देश

रायपुर, संवाददाता

नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे नगर निगम मुख्यालय में नगर निगम वित्त विभाग सलाहकार समिति की बैठक में पहुंची। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम वित्त विभाग के अधिकारियों को वित्त विभाग से संबंधित विभिन्न मदो और योजनाओ की आवश्यक जानकारी सलाहकार समिति के सदस्य पार्षदो सहित सभी जनप्रतिनिधि पार्षदो को उपलब्ध करवाने के निर्देश दिये।

नगर निगम वित्त विभाग सलाहकार समिति की बैठक वित्त लेखा अंकेक्षण विभाग के अध्यक्ष श्री महेन्द्र खोडियार की अध्यक्षता एवं सदस्य पार्षद डॉ मनमोहन मनहरे, देवदत्त द्विवेदी, मोहन कुमार साहू जोन 1 अध्यक्ष श्री गज्जू साहू, पार्षद श्रीमती पुष्पा रोहित साहू जोन 7 अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा, पार्षद श्री अजय साहू,

जोन 10 अध्यक्ष श्री सचिन बी मेधानी, पार्षद श्रीमती जयश्री नायक, उपायुक्त वित्त श्री संजय सिंह सोनवानी सहित नगर निगम वित्त विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में नगर निगम मुख्यालय महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में हुई। बैठक में सदस्य पार्षदो ने वार्ड पार्षद निधि सहित अन्य मदो के सबंध मे वित्त विभाग के अधिकारियो से जानकारी मांगी। पार्षदो को जानकारी दी गई कि पार्षद निधि मद की जानकारी नगर निगम मुख्यालय वित्त विभाग से जोन कमिश्नर कार्यालयो को दी गई है। जोन कमिश्नर कार्यालयों को इस संबंध में वार्ड पार्षदो को पार्षद निधि मद की आवश्यक जानकारी देने के निर्देश दिये गये है।

मकान और दुकान नगर निगम से स्वीकृत, नियमों के अनुरूप हों :

जहाँ पार्किंग व मूलभूत सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध हो

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगरवासियों से अपील की है कि वे शहर में मकान या दुकान का चयन केवल उन्हीं स्थलों पर करें, जो नगर निगम से स्वीकृत और नियमों के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि नागरिकों को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि जहाँ वे दुकान या मकान ले रहे हैं, वहाँ पार्किंग और अन्य मूलभूत सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था हो, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

'नो हेलमेट, नो पेट्रोल' अभियान पहले ही दिन ढीला पड़ा

रायपुर, रायपुर जिले में 1 सितंबर से नो हेलमेट, नो पेट्रोल अभियान शुरू करने की घोषणा की गई थी, लेकिन इसकी शुरुआत ही कमजोर रही। ज़मीनी हकीकत यह है कि अब भी कई पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चालकों को आसानी से पेट्रोल दिया जा रहा है।

दरअसल, यह पहल पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा खुद ही सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए शुरू की गई थी। योजना के मुताबिक, 1 सितंबर से जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर हेलमेट पहनना अनिवार्य किया गया था, बिना हेलमेट के किसी भी बाइक सवार को पेट्रोल नहीं दिया जाना था। इस निर्णय की जानकारी पेट्रोल पंप एसोसिएशन ने जिले के कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और उप मुख्यमंत्री अरुण साव को ज्ञापन सौंपकर पहले ही दे दी थी। प्रशासन की ओर से भी इस अभियान को समर्थन मिला था, लेकिन पहले ही दिन इसके पालन में लापरवाही देखी गई।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

ट्रंप प्रशासन की नीति को ध्वस्त करती मोदी सरकार

यह अच्छी खबर है, क्योंकि भारत में ट्रंप का दूत एक ऐसा व्यक्ति होगा, जो उनका खास विश्वस्त है। मगर पेच यह है कि ट्रंप ने गोर को दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत भी बना दिया है। डॉनल्ड ट्रंप ने अपने निजी विश्वस्त और मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन के प्रमुख संगठनकर्ताओं में से एक सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का राजदूत मनोनीत किया है। एक नजरिए से यह अच्छी खबर है, क्योंकि भारत में उनका दूत एक ऐसा व्यक्ति होगा, जो सीधे उनसे फोन मिलाने की हैसियत रखता है। मगर पेच यह है कि ट्रंप ने साथ ही गोर को दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत भी नियुक्त कर दिया है। यानी उन्होंने भारत को इन क्षेत्रों से संबंधित देशों के साथ एक समूह में रखा है। मतलब यह कि उनकी रणनीति में भारत इतना महत्त्वपूर्ण नहीं है कि वहां के लिए एक विशिष्ट राजदूत की नियुक्ति की जाए। सर्जियो गोर के कार्यक्षेत्र में जो देश आएंगे, उनमें पाकिस्तान और अफगानिस्तान भी हैं।

एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहने का आदेश स्वागत योग्य

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

बिहार में चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लगातार चर्चा में है। जहां एक तरफइसे लेकर शुरू की गई कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में विपक्षी नेताओं की रैली के साथ समाप्त हुई, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर नए आदेश जारी करते हुए मतदाता सूची सुधार का कार्य आगे भी जारी रहने का निर्देश जारी किये हैं, यह निर्देश स्वागतयोग्य है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह पूरा प्रकरण आखिरकार कैसा मोड़ लेगा और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर किस तरह का असर डालेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि बिहार के मतदाता 1 सितंबर के बाद भी दावा या आपत्ति कर सकेंगे। यह निर्देश बहुत जरूरी है, क्योंकि अभी भी राजनीतिक दलों की शिकायतें दूर नहीं हुई हैं। ज्यादातर आम लोगों की शिकायतों का निवारण कर दिया गया है, पर कुछ राजनीतिक पार्टियों के लिए एसआईआर की खामी एक बड़ा मुद्दा है। महागठबंधन में शामिल दल इस मुद्दे में विवाद खड़े करने में ही अपने चुनावी हित देख रहे हैं। हालांकि, न्यायालय ने उचित ही बताया है कि मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर असमंजस की स्थिति काफी हद तक 'विश्वास का मामला' है। इसका मतलब, जो राजनीतिक अविश्वास है, उसे दूर करने के लिए स्वयं दलों को सक्रिय होना पड़ेगा। न्यायालय की इस सलाह पर राजनीतिक दलों को गौर करना चाहिए और इस प्रक्रिया को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाना चाहिए। क्योंकि चुनाव सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर सभी राजनीतिक दल यह ठान लें, तो चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सकता है। वास्तव में, मतदाता पुनरीक्षण का काम राजनीतिक दलों को अपने स्तर पर लगातार जारी रखना चाहिए, इससे लोकतंत्र की मजबूती सुनिश्चित होगी एवं चुनाव की खामियों को सुधारा जा सकेगा।

वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर आयोजित रैली में विपक्षी नेताओं ने जो कुछ कहा, उससे स्पष्ट है कि चुनाव आयोग की ओर से शुरू की गई इस प्रक्रिया के औचित्य को लेकर वे अभी आश्वस्त नहीं हैं। वैसे इस तरह की संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक रंग देना, विडम्बनापूर्ण है। इससे भी बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है विपक्षी नेताओं द्वारा कथित वोट चोरी का मुद्दा उठाते हुए चुनाव आयोग को आरोपों के दायरे में शामिल रखा जाना। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी नेता चुनाव आयोग और सरकार को घेरते हुए यह मुद्दा बार-बार उठाते रहेंगे। विपक्षी दल इस विषय में जिस तरह की नकारात्मकता दर्शा रहे हैं, वह भी प्रश्नों के घेरों में एवं अतिश्योक्तिपूर्ण है। क्योंकि यह अत्यंत सामयिक और संवेदनशील है। बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया, एक ओर मतदाता सूची को शुद्ध एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए 'वोटर अधिकार यात्रा' निकालना और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करना, लोकतंत्र की सेहत और स्थायित्व को धुंधलाता है।

सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई का जहां तक सवाल है तो वहां भी विपक्षी दल और चुनाव आयोग एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाते नजर आए। जहां विपक्षी दलों के वकील इस प्रक्रिया की खामियों की ओर कोर्ट का ध्यान दिलाते रहे, वहीं चुनाव आयोग के वकील ने साफशब्दों में कहा कि समस्या इस प्रक्रिया में नहीं, बल्कि उस मानसिक सोच में है, जो आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से ग्रस्त है। उनके मुताबिक दूसरे पक्ष की मानसिकता ही खोट निकालने की हो गई है। इसमें दो राय नहीं कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले को यथासंभव उपयुक्त ढंग से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन यह देखना बाकी है कि चुनाव आयोग इस प्रक्रिया में सभी पक्षों का विश्वास जीतने और सभी योग्य मतदाताओं की आशंकाएं दूर करने में किस हद तक कामयाब हो पाता है।

निश्चित ही पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अभी तक के अनुभव मिले-जुले रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने बताया कि राजनीतिक दल सूची में मतदाताओं को शामिल करने के दावों के बजाय उन्हें हटाने की मांग करते हुए आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। अगर चुनाव आयोग ने ज्यादा नाम काटे होते, तो नाम जोड़ने के लिए ज्यादा दावे होते। कांग्रेस को शायद अभी भी शिकायत है कि उसके एजेंटों के दावे पर गौर नहीं किया गया है। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने कहा है कि दावे यथोचित प्रारूप में नहीं किए गए हैं। ऐसे में, चुनाव आयोग को कुछ उदारता बरतते हुए अपनी सूची का हकीकत से मिलान करना चाहिए। बिहार में ही बड़ी पार्टियों के तमाम बूथ लेबल एजेंट (बीएलए) सक्रिय हो जाएं, तो मतदाता सूची को दोषरहित बना सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की भी यही मंशा है। मतदाता सूची को लेकर विवादों में पड़े रहना हर प्रकार से अफसोसजनक होगा, इससे हमारे लोकतंत्र की गरिमा घटेगी। गौर करने की बात है कि शीर्ष अदालत के निर्देश पर सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों और पैरा लीगल स्वयंसेवकों को पुनरीक्षण में लगाया जाएगा। वास्तव में, पुनरीक्षण जल्दी संपन्न होना चाहिए, ताकि बिहार चुनाव में देरी न होने पाए।

चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ है। इसका दायित्व केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि चुनाव की निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना भी है। मतदाता सूची में गड़बड़ी, डुप्लीकेट नाम, मृत व्यक्तियों के नाम, या फर्जी पंजीकरण जैसी समस्याएं अक्सर चुनावी निष्पक्षता पर प्रश्न उठाती रही हैं। ऐसे में एसआईआर जैसी प्रक्रिया को चुनाव आयोग द्वारा लागू करना आवश्यक कदम माना जा सकता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले पर्याप्त राजनीतिक परामर्श, जनजागरूकता और पारदर्शिता सुनिश्चित की गई थी? यदि ऐसा नहीं हुआ, तो राजनीतिक दलों का असंतोष स्वाभाविक है। इसमें कोई शक नहीं कि पुनरीक्षण के मामले ने बिहार की राजनीति को गरमा दिया है। बिहार आज निर्णायक मोड़ पर है। विशेष रूप से जन सुराज पार्टी के जो तेवर हैं, उससे बिहारी राजनीति के पूरे कलेवर पर असर पड़ सकता है। बिहार का विकासोन्मुख होना जरूरी है। इस जरूरत को बिहार में नया और पुराना विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष भी नए सिरे से समझ रहा है। लोगों के लिए तो यही सबसे अच्छी बात होगी कि सभी राजनीतिक दल अपने मुद्दों में विकास और रोजगार, शिक्षा और चिकित्सा को सबसे ज्यादा तरजीह दें।

अब बड़ा प्रश्न है कि यदि सुप्रीम कोर्ट आयोग के पक्ष में निर्णय देती है, तो विपक्ष को अपने आंदोलन का औचित्य सिद्ध करना कठिन होगा। वहीं यदि अदालत को प्रक्रिया में खामियां मिलती हैं, तो आयोग की कार्यप्रणाली पर गहरे प्रश्न उठेंगे। विपक्ष की ओर से इसे सीधे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताना भी अतिशयोक्ति कहा जा सकता है, क्योंकि मतदाता सूची को शुद्ध करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है। यदि ऐसे हर संवैधानिक कदम को राजनीतिक रंग देकर विवादित बना दिया जाए, तो लोकतंत्र में संस्थाओं की मजबूती के बजाय कमजोरी ही बढ़ेगी। एसआईआर जैसी पहल की केवल बिहार ही नहीं, समूचे देश में जरूरत है ताकि चुनाव प्रक्रिया भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों से मुक्त हो सके। लेकिन इसकी सफलता तभी सुनिश्चित होगी जब यह निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वसम्मत तरीके से लागू हो। चुनाव आयोग को न केवल अपने कदमों की संवैधानिकता, बल्कि उसकी जनस्वीकार्यता भी सुनिश्चित करनी चाहिए। विपक्ष को भी इस प्रक्रिया को मात्र राजनीतिक हथियार बनाने के बजाय रचनात्मक संवाद के जरिए समाधान तलाशना चाहिए। लोकतंत्र केवल मतदाताओं की भागीदारी से नहीं, बल्कि संस्थाओं पर विश्वास से भी जीवित रहता है। इसलिए संस्थाओं की गरिमा और पारदर्शिता दोनों की रक्षा अनिवार्य है।

यह निजी विचार है।

महिलाओं को आगे बढ़ाने भगीरथ प्रयास क्यों नहीं।

बालिकाएं उच्च शिक्षा की हकदार।

भारत में महिलाओं की मुक्ति तथा सशक्तिकरण का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से प्रासंगिक हो गया हैद्य स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी हैद्य आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही हैद्य आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम हैद्य वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैद्य भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर हैद्य विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही हैद्य अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही हैद्य यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया महिलाओं को घर की चारदीवारी में कैद होना पड़ा थाद्य इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी संपूर्ण योग्यता,ऊर्जा,शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएंद्य भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही हैद्य इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन,मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैंद्य सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका मैं इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25त्न से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60त्न महिलाएं ही हैं।

यह निजी विचार है।

विपक्ष बहुत चिंतित है और आशंकित

अजीत द्विवेदी

मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री को पद से हटाने का प्रावधान करने के लिए लाए गए विधेयकों पर विपक्ष बहुत चिंतित है और आशंकित है। विपक्ष के सारे नेताओं की एक ही चिंता है कि केंद्रीय एजेंसियां खास कर सीबीआई और ईडी विपक्षी पार्टी की सरकारों को अस्थिर कर सकती हैं। उनका कहना है कि केंद्रीय एजेंसियां मुकदमा करेंगी और मंत्री या मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लेंगी। धन शोधन के कानून में जमानत के प्रावधान बहुत सख्त हैं इसलिए उनको 30 दिन तक जमानत नहीं मिलेगी और इस नाम पर उनको हटा दिया जाएगा।

आशंका यही पर खत्म नहीं होती है। यह भी कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री को गिरफ्तारी का डर दिखा कर उसको किसी काम के लिए मजबूर किया जा सकेगा। इतना ही नहीं यह आशंका भी जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और फिर उसकी पार्टी तोड़ कर सरकार गिरा दी जाएगी। ऐसा लग रहा है कि सरकार ने बिल बनाते समय इसके जितने मकसद नहीं सोचे होंगे उतने मकसद विपक्ष ने समझा दिए हैं।

अभी तक मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों या प्रधानमंत्री को पद से हटाने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं था। विधायक और सांसद को हटाने का प्रावधान भी लिली थॉमस मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए आदेश के बना। इसमें तय किया गया कि किसी विधायक या सांसद को दो साल या उससे ज्यादा की सजा हो जाती है तो वह विधायिका का सदस्य नहीं रह पाएगा और सजा की तारीख से उसके चुनाव लड़ने पर रोक लग जाएगी। आमतौर पर निचली अदालत से सजा होते ही विधायकों, सांसदों की सदस्यता समाप्त कर दी जाती है, जैसा कि राहुल गांधी के मामले में हुआ था।

बाद में अगर ऊपरी अदालत सजा पर रोक लगा दे तो सदस्यता बहाल हो जाती है। बहरहाल, अगर कोई व्यक्ति विधायक या सांसद होने के अयोग्य हो जाएगा तो वह स्वतः मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बनने के भी अयोग्य हो जाएगा। इस नियम से इतर अब सरकार संविधान संशोधन करके कानून बना रही है कि अगर किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री को किसी गंभीर अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है और 30 दिन तक जमानत नहीं होती है तो 31वें दिन उसको पद से हटा दिया जाएगा।

अब सवाल है कि इसकी जरुरत क्यों पड़ी? इसकी जरुरत पड़ी अरविंद केजरीवाल की वजह से। दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते केजरीवाल शराब घोटाले से जुड़े केस में गिरफ्तार हुए और उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। वे 156 दिन तक दिल्ली की तिहाड़ जेल में रहे और मुख्यमंत्री बने रहे। उससे पहले उन्होंने हवाला मामले में गिरफ्तार अपनी सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को भी काफी समय तक मंत्री पद से नहीं हटाया था। ऐसे ही तमिलनाडु में एमके स्टालिन सरकार के मंत्री सेंथिल बालाजी गिरफ्तार होकर जेल चले गए लेकिन मंत्री बने रहे।

इससे पहले आमतौर पर मंत्री या मुख्यमंत्री गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा दे देते थे। पिछले ही साल जनवरी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया था और उन्होंने गिरफ्तारी से ठीक पहले इस्तीफा देकर चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनवा दिया। लेकिन उसके दो महीने बाद मार्च में गिरफ्तार हुए अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा नहीं दिया। सो, अब तक जो काम नैतिकता और लोकलाज के आधार पर होते थे वह काम सुनिश्चित करने के लिए सरकार कानून ला रही है।

अब आएं विपक्ष की चिंता और आशंका पर तो उसकी एक आशंका का जवाब हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल के मामले से मिल जाता है। हेमंत सोरेन ने इस्तीफा दिया और जेल गए तो अगले चुनाव में उनकी पार्टी ज्यादा बड़े बहुमत से सरकार में लौटी। दूसरी ओर केजरीवाल जेल गए और इस्तीफा नहीं दिया तो अगले चुनाव में वे खुद भी हारे और उनकी पार्टी भी हार कर सत्ता से बाहर हुई। दोनों की पार्टियों ने गिरफ्तारी को राजनीतिक बदले की कार्रवाई कहा था लेकिन झारखंड की जनता ने हेमंत की बात पर यकीन किया और दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल पर यकीन नहीं किया।

यह मामला कहीं न कहीं नैतिकता, परंपरा और लोकलाज से जुड़ा हुआ है। अतीत में भी देखें तो नेता नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देते थे और उनको राजनीतिक नुकसान नहीं होता था। लालू प्रसाद ने गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा देकर अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनवाया। लालू प्रसाद के जेल जाने से न तो उनकी पार्टी टूटी और न सरकार गिरी, बल्कि अगले चुनाव में फिर उनकी पार्टी जीत कर सत्ता में आई। ऐसे ही तमिलनाडु में जयललिता मुख्यमंत्री रहते दो बार गिरफ्तार हुईं। एक बार उन्होंने ओ पनीरसेल्वम को मुख्यमंत्री बनाया और दूसरी बार ई पलानीसामी को मुख्यमंत्री बनाया। दोनों बार न तो उनकी पार्टी टूटी और न सरकार गिरी।

इसके उलट पार्टियों के टूटने या सरकार गिरने की पिछले 10 साल की घटनाएं देखें तो अलग तस्वीर सामने आती है। कमलनाथ जैसा व्यक्ति मुख्यमंत्री पद पर बैठा रहा और कांग्रेस पार्टी टूट गई, सरकार गिर गई। कांग्रेस के समर्थन से सरकार चला रहे एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री पद पर बैठे रहे और कांग्रेस टूट गई, सरकार गिर गई। कांग्रेस और एनसीपी के समर्थन से सरकार चला रहे उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे रहे और उनकी पार्टी टूट गई, सरकार गिर गई। इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री गिरफ्तार होगा तो अनिवार्य रूप से पार्टी टूट जाएगी या सरकार गिर जाएगी और गिरफ्तार नहीं होगा तो अनिवार्य रूप से पार्टी नहीं टूटेगी, ऐसा मानना मूर्खतापूर्ण विचार है।

अब रही बात इस कानून के जरिए भारत को पुलिस स्टेट बनाने की तो यह चिंता भी बहुत सेलेक्टिव है। देश की आम जनता के लिए भारत पुलिस स्टेट ही है। पुलिस जहां चाहती है, जिसको चाहती है उसको पकड़ लेती है, उस पर लाठी डंडा चला देती है, झूठे मुकदमे में फंसा देती है। हां, माननीय लोगों को अब इसका डर लगने लगा है। तभी कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अब एक कांस्टेबल के पास भी सरकार बदल देने की क्षमता होगी।

उनके कहने का मतलब है कि कांस्टेबल किसी मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लेगा और सरकार बदल जाएगी। अव्वल तो किसी मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी ऐसे नहीं होती है और दूसरे मुख्यमंत्री के गिरफ्तार हो जाने से उसकी सरकार नहीं गिर जाती है। सिंघवी खतरे को बढ़ा चढ़ा कर दिखा रहे हैं। ऊपर से वे न्यायपालिका को बिल्कुल शून्य मान कर चल रहे हैं। सोचें, खुद वकील हैं लेकिन मान रहे हैं कि कोई कांस्टेबल किसी मुख्यमंत्री को मनमाने तरीके से गिरफ्तार कर लेगा और अदालतें कुछ नहीं करेंगी!

अगर उनकी बात मान भी ली जाए कि केंद्रीय एजेंसियां किसी विपक्षी शासन वाले राज्य के मंत्री या मुख्यमंत्री को मनमाने तरीके से गिरफ्तार कर लेगी तो उसी तरह प्रदेश सरकार की एजेंसियां अपने राज्य में केंद्रीय मंत्रियों को गिरफ्तार कर सकती हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और अगर कांग्रेस को लग रहा है कि उसके मुख्यमंत्री या उप मुख्यमंत्री को झूठे मुकदमे में फंसाया जा रहा है तो कर्नाटक सरकार की एजेंसियां केंद्रीय मंत्रियों को ऐसे ही मुकदमों में फंसा सकती हैं। उनके ऊपर हत्या से लेकर बलात्कार और चोरी, डकैती या जमीन हड़पने के झूठे मुकदमे किए जा सकते हैं और गिरफ्तार करके जेल में डाला जा सकता है। 30 दिन तक जमानत न हो इसके भी इंतजाम किए जा सकते हैं। यह तो अराजकता की स्थिति होगी। पता नहीं कैसे विपक्ष ऐसी स्थिति की कल्पना कर लेता है?

अंत में- राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं के साथ साथ अच्छे अच्छे पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक कह रहे हैं कि केंद्र की मोदी सरकार चंद्रबाबू नायडू के समर्थन पर टिकी है इसलिए उनको डराने के लिए यह कानून लाया जा रहा है। यह बिल्कुल बुद्धि विरोधी बात है। अव्वल तो चंद्रबाबू नायडू या किसी दूसरे मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने के लिए अलग से किसी कानून की जरुरत नहीं है। केंद्रीय एजेंसियां चाहें तो उनको गिरफ्तार कर सकती हैं।

ध्यान रहे नायडू को जगन मोहन रेड्डी की सरकार ने भी गिरफ्तार किया था। दूसरे ऐसी बात कहने वालों को आंध्र प्रदेश विधानसभा का हिसाब नहीं मालूम है। 175 सदस्यों की आंध्र प्रदेश विधानसभा में नायडू की पार्टी टीडीपी के 135 विधायक हैं यानी बहुमत से 47 ज्यादा। बाकी सभी पार्टियों को मिला कर 40 विधायक हैं। कोई बुद्धि निरपेक्ष व्यक्ति ही यह सोच सकता है कि नायडू को गिरफ्तार कर लेंगे तो उनकी पार्टी टूट जाएगी और उनकी सरकार गिर जाएगी। उनको गिरफ्तार करेंगे तो उनका बेटा या परिवार का कोई सदस्य मुख्यमंत्री बन जाएगा और वे जेल से नायक बन कर लौटेंगे।

यह निजी विचार है।

तेजस्वी राहुल को पीएम बनाने को तैयार लेकिन.....

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोटर अधिकार यात्रा इन दिनों बिहार की सड़कों पर धूम मचा रही है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा की तरह ही राहुल गांधी यहां भी पूरे जोश के साथ डटे हुए हैं। यात्रा में मजा आना जरूरी है, जैसा कि राहुल खुद कहते हैं, और लगता है कि उन्हें तेजस्वी यादव के साथ यह सफर खूब रास आ रहा है। लेकिन इस मजेदार सफर के बीच एक सवाल बार-बार उछल रहा है- क्या राहुल गांधी तेजस्वी यादव को बिहार के मुख्यमंत्री पद का चेहरा मानने से कतरा रहे हैं? तेजस्वी तो राहुल को प्रधानमंत्री बनाने की बात खुलकर कर रहे हैं, लेकिन राहुल की तरफसे वैसी ही निष्ठा क्यों नहीं दिख रही? यह सवाल बिहार की राजनीति में तूफान खड़ा कर रहा है, खासकर जब 2025 के विधानसभा चुनाव नजदीक हैंयात्रा की शुरुआत सासाराम से हुई, जहां राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने मिलकर चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया। राहुल ने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर वोटर लिस्ट से नाम काट रहा है, और इसे 'एसआईआर' (सिस्टेमेटिक इलेक्टोरल रोल) का नाम देकर संस्थागत चोरी कर रहा है। यहां तक कि छोटे बच्चे भी 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा लगा रहे हैं, जैसा कि राहुल ने खुद बताया। यात्रा में बुलेट बाइक पर सवार होकर दोनों नेता जनता के बीच पहुंचे, जो एक आकर्षक दृश्य था। लेकिन इसी दौरान कुछ हादसे भी हुए- काफिले की गाड़ियों से दो सुरक्षा जवानों को चोट लगी, और एक युवक ने अचानक राहुल को किस कर लिया। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हो गया, और सवाल उठा कि आगे कौन लीड कर रहा है- राहुल या तेजस्वी?

तेजस्वी यादव राहुल को 'बड़े भाई' कहकर संबोधित कर रहे हैं, और उनकी हर बात में सम्मान झलकता है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब चिराग पासवान पर सवाल उठा, तो तेजस्वी ने उन्हें 'बड़े भाई' बताते हुए शादी करने की सलाह दी। राहुल हंस पड़े और बोले, 'यह मेरे लिए भी लागू होता है।' तेजस्वी ने तुरंत जवाब दिया कि पापा (लालू यादव) ने आपको यह सलाह पहले ही दे दी है। याद कीजिए, लोकसभा चुनाव से पहले पटना की इंडिया ब्लॉक मीटिंग में लालू यादव ने राहुल से कहा था, 'आप दूल्हा बनिए, हम बाराती बनने को तैयार हैं।' अब तेजस्वी भी यही बात दोहरा रहे हैं कि राहुल देश के प्रधानमंत्री बनें। लेकिन राहुल तेजस्वी को बिहार का सीएम फेस घोषित करने से क्यों बच रहे हैं?

यह सवाल मीडिया ने राहुल से कई बार पूछा। अररिया में एक संवाददाता सम्मेलन में जब पूछा गया कि तेजस्वी आपको पीएम बनाने की बात कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस तेजस्वी को सीएम फेस क्यों नहीं मान रही? राहुल ने जवाब दिया, 'हमारी पार्टनरशिप बहुत अच्छी है, कोई टेंशन नहीं, म्यूचुअल रिस्पेक्ट है, हम एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं, मजा आ रहा है। राजनीतिक और वैचारिक रूप से हम जुड़े हुए हैं, अच्छा रिजल्ट आएगा।' लेकिन सीधा जवाब नहीं दिया। बिहार कांग्रेस के नेता जैसे कृष्णा अल्लावरु या राजेश कुमार भी यही सवाल टालते रहे हैं। वे कहते हैं कि यह फैसला आरजेडी का है, या फिर तेजस्वी चुनाव अभियान समिति के प्रमुख हैं। लेकिन सच्चाई यह लगती है कि कांग्रेस की हरी झंडी का इंतजार है।

क्या राहुल को तेजस्वी पर भरोसा नहीं? तेजस्वी तो अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ रहे। वे राहुल को बड़े भाई बताते हैं, उनके साथ बाइक चलाते हैं, और पीएम बनाने का ऐलान करते हैं। लेकिन राहुल का रुख 'फूफा' जैसा क्यों लग रहा है? आजकल सोशल मीडिया पर फूफा की नाराजगी के रील्स खूब चलते हैं, जहां फूफा शादी में रूठ जाते हैं। यहां भी राहुल को 'दूल्हा' बनने की सलाह दी जा रही है, लेकिन वे तेजस्वी को 'दूल्हा' बनाने से कतरा रहे हैं। लालू यादव ने नीतीश कुमार को भी पीएम बनाने पर हामी भरी थी, लेकिन वह सिर्फ दिखावा था, क्योंकि वे नीतीश को सीएम भी नहीं रहने देना चाहते थे। लेकिन तेजस्वी के मामले में राहुल का डर क्या है? तेजस्वी तो ममता बनर्जी या अरविंद केजरीवाल की तरह चुनौती नहीं दे रहे।बिहार की राजनीति में महागठबंधन की एकता जरूरी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में आरजेडी ने 4 सीटें जीतीं, कांग्रेस ने 3। 2020 के विधानसभा चुनाव में आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी 71 सीटों के साथ। लेकिन कांग्रेस जूनियर पार्टनर की भूमिका से बाहर निकलना चाहती है। राहुल की बिहार यात्राएं दलितों और युवाओं पर फोकस कर रही हैं, जो आरजेडी के वोट बैंक को प्रभावित कर सकती हैं। कांग्रेस को लगता है कि आरजेडी की जाति-आधारित राजनीति से अलग, वे रोजगार, शिक्षा और सेक्युलरिज्म पर लड़ेंगी। लेकिन इससे आरजेडी चिंतित है। वाम दल भी चुप हैं, लेकिन वे तेजस्वी को सीएम मानने में कोई दिक्कत नहीं देखते।

यात्रा में उत्साह है। औरंगाबाद में दोनों नेताओं ने सूर्य मंदिर में पूजा की, जहां महिलाएं 'वोट चोर गद्दी छोड़' का नारा लगा रही थीं। पूर्णिया में बाइक रैली ने जनता को आकर्षित किया। लेकिन पप्पू यादव जैसे नेता तेजस्वी को 'अहंकारी युवराज' कहकर हमला कर रहे हैं। एक रैली में पप्पू यादव को मंच से नीचे धकेला गया था, जब राहुल मौजूद थे। यह दिखाता है कि महागठबंधन में आंतरिक कलह है। तेज प्रताप यादव भी अलग जन संवाद कर रहे हैं, जो तेजस्वी के लिए चुनौती बन सकता है।भाजपा इस पर चुटकी ले रही है। वे कहते हैं कि राहुल का अहंकार दिख रहा है, जो सीएम फेस पर सवाल टाल रहे हैं। नीतीश कुमार और मोदी पर हमले हो रहे हैं, लेकिन महागठबंधन की एकता पर सवाल हैं। राहुल की न्याय यात्रा और भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से प्रेरित यह यात्रा वोटर अधिकारों पर फोकस है, लेकिन इसमें राजनीतिक महत्वाकांक्षा छिपी है। क्या राहुल बिहार में कांग्रेस को मजबूत करना चाहते हैं, या तेजस्वी को सीएम बनने से रोक रहे हैं? लालू का सोनिया गांधी को समर्थन वैसा ही था, जैसा अब तेजस्वी का है। लेकिन राहुल का रुख अलग है।

यह निजी विचार है।

भारत की मेडटेक क्षेत्र की ताकत और नवाचार को प्रदर्शित करने के लिए 4 से 6 सितंबर तक भारत मंडपम में इंडिया मेडटेक एक्सपो 2025 का आयोजन

पीआईबी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, चिकित्सा उपकरण निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएमडी) और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से औषधि विभाग, भारत स्वास्थ्य 2025 पहल के एक भाग के रूप में, 4 से 6 सितंबर 2025 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में दूसरा इंडिया मेडटेक एक्सपो 2025 आयोजित करेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग के सचिव श्री अमित अग्रवाल, वाणिज्य विभाग के अपर सचिव श्री नितिन कुमार यादव, राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के अध्यक्ष श्री पी. कृष्णमूर्ति, औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी और औषधि विभाग के संयुक्त सचिव श्री आर. पी. सिंह इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल होंगे।

राष्ट्रपति ने सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह की शोभा बढ़ाई

बैंकिंग उद्योग भारत के विकास की गाथा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है: राष्ट्रपति मुर्मु

पीआईबी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (2 सितंबर, 2025) तमिलनाडु के चेन्नई में सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह की शोभा बढ़ाई।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि बैंकिंग उद्योग देश के विकास की गाथा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सशक्त आर्थिक परिदृश्य में लोगों की आकांक्षाएं व्यापक रूप से बढ़ी हैं। बैंकों की भूमिका वित्तीय लेन-देन से कहीं आगे तक विस्तृत हो गई है। बैंक केवल धन के संरक्षक नहीं हैं। आज वे विविध वित्तीय सेवाएं प्रदान करते हैं। वे समावेशी और सतत विकास में भी सहायक हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि देश के विकास के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक वित्तीय समावेशन है, जिसका अर्थ यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक नागरिक की किफायती वित्तीय सेवाओं तक पहुंच हो। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिटी यूनियन बैंक जैसे बैंक अपनी बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश में, एक बड़ी आबादी अभी भी ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहती है जहां औपचारिक बैंकिंग तक सीमित पहुंच है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सिटी यूनियन बैंक ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

राष्ट्रपति ने कहा कि बैंक और वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां वंचित समुदायों के लिए उपयोगकर्ताओं के अनुकूल मोबाइल ऐप, सूक्ष्म ऋण और बीमा उत्पाद उपलब्ध करा रही हैं। पेमेंट बैंक, डिजिटल वॉलेट और बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट ने वित्तीय सेवाओं को दूर-दराज के गांवों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में प्रगति के बावजूद, डिजिटल साक्षरता, इंटरनेट की पहुंच और वित्तीय जागरूकता के संदर्भ में अभी भी कई चुनौतियां हैं। सभी हितधारकों के संयुक्त प्रयासों से, लोगों को प्रौद्योगिकी, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं से बेहतर ढंग से जोड़ा जा सकता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि किसानों का सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था हमारे बैंकिंग क्षेत्र की प्राथमिकता होनी चाहिए। समय पर और किफायती ऋण उपलब्ध कराकर, वित्तीय जागरूकता प्रदान करके और कृषि-तकनीकी पहलों को समर्थन देकर, बैंक कृषि को टिकाऊ और लाभदायक बनाने में मदद कर सकते हैं। बैंक एमएसएमई को विकास के इंजन में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हमारे बैंकों को वंचित और हाशिए पर पड़े वर्गों की मदद के लिए भी कदम उठाने चाहिए। दिहाड़ी मजदूरों और प्रवासी मजदूरों को बैंकिंग सेवाओं से बेहतर ढंग से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि जैसे-जैसे हमारी डिजिटल और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है, डिजिटल परिवर्तन और उद्यमिता में बैंकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। स्टार्ट-अप से लेकर स्मार्ट शहरों तक, ऐसे कई क्षेत्र हैं जिनमें बैंक मदद कर सकते हैं। बैंक एक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बन सकते हैं।

नई दिल्ली में लोहा पुल (पुराने लोहे के पुल) के पास लगातार भारी बारिश के बाद यमुना नदी का जलस्तर बढ़ गया है और यह खतरे के निशान को पार कर गया है, जिसके कारण लोग एक गाड़ी को धकेलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

श्रीनगर में मानसून के मौसम के दौरान पोखरीबल झील में अपनी नाव पर एक नाविक।

अगस्त 2025 में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से मासिक उत्पादन और प्रेषण

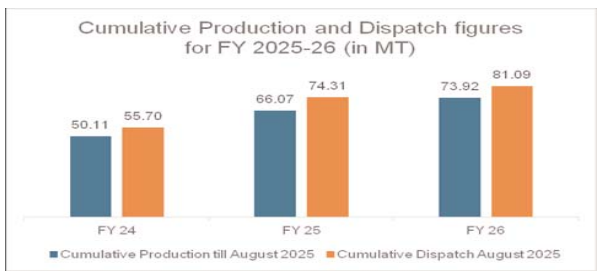

पीआईबी

वित्तीय वर्ष 2025-26 में अगस्त 2025 के दौरान कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 14.43 मिलियन टन (एमटी) दर्ज किया गया, जबकि प्रेषण 15.07 मिलियन टन (एमटी) तक पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अगस्त तक के संचयी आंकड़े वर्ष-दर-वर्ष मज़बूत वृद्धि दर्शाते हैं, जिसमें उत्पादन में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11.88 प्रतिशत और प्रेषण में 9.12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ये सकारात्मक रुझान पूरे क्षेत्र में बेहतर परिचालन दक्षता और खनन क्षमता के अधिक प्रभावी उपयोग का संकेत देते हैं।

संलग्न ग्राफस्पष्ट रूप से निरंतर प्रदर्शन में सुधार को दर्शाता है, जिसमें उत्पादन और प्रेषण दोनों में मजबूत वृद्धि देखी गई है। मंत्रालय इस क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन का श्रेय रणनीतिक नीतिगत उपायों, कड़ी निगरानी और हितधारकों के निरंतर समर्थन को देता है। इन प्रयासों ने परिचालन स्वीकृतियों में तेजी लाने और उत्पादन क्षमताओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे कोयला उत्पादन और प्रेषण में समग्र वृद्धि हुई है। कोयला मंत्रालय ने भारत में कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खनन की क्षमता का पूर्ण उपयोग करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इससे आगे बढ़ते हुए, उत्पादन की निरंतरता बनाए रखने, आपूर्ति में रुकावटों को कम करने और देश की बढ़ती ऊर्जा आवश?यकताओं में महत्वपूर्ण योगदान देने पर बल दिया जाएगा।

भारत अब विश्व स्तर पर सबसे किफायती दरों पर चौबीसों घंटे अक्षय ऊर्जा प्रदान करता है: श्री पीयूष गोयल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 'जीरो डिफेक्ट, जीरो इम्पेक्ट' मंत्र हमारी प्रतिबद्धता है: श्री गोयल

पीआईबी

भारत स्थायित्व संबंधी अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जी20 देशों में से एक है। यह बात केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने आज नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के 20वें वैश्विक स्थायित्व शिखर सम्मेलन में कही।

पर्यावरण के क्षेत्र में भारत की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए, श्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सीओपी-21 को सफल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, ÷सीओपी-21 को सफल बनाने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी सक्रिय भागीदारी के बिना, अल्प विकसित देशों के स्थायित्व संबंधी प्रयासों में योगदान देने के लिए विकसित देशों के साथ उनके सहयोग के बिना, शायद सीओपी-21 का विलय नहीं हो पाता। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे वैश्विक दक्षिण को एक साथ लाकर यह संदेश दिया कि यह

दुनिया के प्रत्येक देश की सामूहिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।÷

श्री गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने सतत विकास लक्ष्यों के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है, 2014 से अक्षय ऊर्जा के लक्ष्यों को पांच गुना बढ़ा रहा है और ÷एक राष्ट्र, एक ग्रिड÷ के सिद्धांत के तहत आपस में जुड़े एक राष्ट्रीय ग्रिड का सफलतापूर्वक निर्माण कर रहा है। बिजली क्षेत्र में उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, श्री गोयल ने कहा कि भारत अक्षय ऊर्जा के लक्ष्यों को निर्धारित समय से काफी पहले प्राप्त कर रहा है, और 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पहले ही स्थापित हो चुकी है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावाट तक पहुंचना है, जो मेक इन इंडिया उत्पादों, आत्मनिर्भर विनिर्माण और तीव्र नवाचार द्वारा संचालित होगा। उन्होंने कहा कि भारत में अब 24 घंटे स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति के लिए लगभग 4.60 रुपये से 5.00 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की दर पर अक्षय ऊर्जा उपलब्ध है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे किफायती दर है। उन्होंने यह भी कहा कि कोयला और अक्षय ऊर्जा को एक साथ अपनाने में कोई विरोधाभास नहीं है, और पारदर्शी बोली की प्रक्रियाओं ने सौर ऊर्जा की कीमत 7-8 रुपये से घटाकर 2.41 रुपये कर दी है। उन्होंने कहा कि भारत अब वैश्विक स्तर पर सबसे किफायती और प्रतिस्पर्धी दरों पर चौबीसों घंटे अक्षय ऊर्जा प्रदान करने में सक्षम है।

श्री गोयल ने स्टार्टअप उद्योगों से जल संचयन और ऊर्जा दक्षता जैसी चुनौतियों के लिए नए समाधान खोजने का आह्वान किया। 2015 में शुरू की गई उजाला योजना का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि भारत ने तापदीप्त बल्बों की जगह एलईडी बल्बों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। इससे यह पता चलता है कि कैसे छोटे कदम भी परिवर्तनकारी प्रभाव डाल सकते हैं।

श्री गोयल ने यह भी कहा कि भारत की आपूर्ति श्रृंखलाएं सशक्त हैं और देश किसी अन्य देश की दया पर निर्भर नहीं है कि वह चालू करे या बंद। उन्होंने कहा कि यह भारत को आत्मनिर्भर बना रहा है और युवा भारत में दुनिया की किसी भी चुनौती का सामना करने का आत्मविश्वास पैदा कर रहा है।

समाज के हर वर्ग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, श्री गोयल ने कहा कि हर व्यक्ति - इस वर्ष की पहली तिमाही में देश की 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि में सामूहिक रूप से योगदान दे रहा है चाहे वे युवा पुरुष और महिलाएं, स्टार्टअप, उद्यमी, कॉर्पोरेट, किसान, रेहड़ी-पटरी वाले, किराना स्टोर और दुकानदार क्यों न हों। उन्होंने कहा कि 1.4 अरब लोगों के दृढ़ विश्वास और संकल्प के बिना दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बनना संभव नहीं था।

श्री गोयल ने जोर देकर कहा कि भारत वैश्विक विकास में 18 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। यह जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है और क्रय शक्ति के अनुपात के संदर्भ में पहले से ही 15 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है। इस प्रकार, देश मजबूत स्थिति में दुनिया के साथ जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य स्थायित्व, उच्च गुणवत्ता, किफायती और समावेशी विकास पर टिका है जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है।

उपभोग व्यय और मांग को बढ़ावा देने के लिए व्यापक रूप से अपेक्षित जीएसटी सुधारों के बारे में बताते हुए, श्री गोयल ने कहा कि सरकार द्वारा संसाधन के अत्यधिक आवंटन के माध्यम से इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण को निरंतर समर्थन दिए जाने के साथ, भारत के मजबूत व्यापक आर्थिक आधार उसे अर्थशास्त्रियों या निराशावादियों द्वारा लगाए गए हर अनुमान को पार करने में सक्षम बनाएंगे। उन्होंने कहा कि चुनौतियां आएंगी, लेकिन अस्थिर और अनिश्चित समय का सामना करने की भारत की क्षमता में केवल वृद्धि ही हुई है।

संसदीय क्षेत्र के किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संसदीय क्षेत्र के पदाधिकारियों के साथ बैठक की

आगामी खेल महोत्सव की तैयारियों को लेकर केंद्रीय मंत्री ने पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए

पीआईबी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज रविन्द्र भवन, भोपाल में अपने संसदीय क्षेत्र के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। साथ ही क्षेत्र के किसान कल्याण के कार्यों, ग्रामीण विकास और अन्य विभिन्न कार्यों समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आगामी खेल महोत्सव की रूपरेखा, कार्यक्रमों और प्रबंधन को लेकर भी विस्तृत चर्चा की। श्री शिवराज सिंह ने पदाधिकारियों से कहा कि, खेल महोत्सव केवल खेल प्रतियोगिता नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और युवा ऊर्जा के प्रदर्शन का बड़ा मंच है। उन्होंने आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए सभी को जिम्मेदारी के साथ योगदान देने का आह्वान किया। बैठक में क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने भी अपने सुझाव दिए।

बीमारों का इलाज हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि यदि कोई कार्यकर्ता या क्षेत्र का कोई भी नागरिक बीमार होता है तो उसका समुचित इलाज करवाना हमारा परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए मैंने स्वेच्छा अनुदान के माध्यम से अनेक जरूरतमंदों की मदद की। उन्होंने कहा कि आज भी यदि किसी को गंभीर बीमारी होती है और आर्थिक सामर्थ्य नहीं है, तो वे व्यक्तिगत प्रयासों से संसाधन जुटाकर इलाज की व्यवस्था कराने का प्रयास करते हैं। जरूरत पड़ी तो हर संभव प्रयास करके इलाज कराया जाएगा। साथ ही श्री शिवराज सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र स्थित सुकरवास गांव का एक वाकया सुनाते हुए कहा कि गांव का एक युवक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था और बहुत गरीब परिवार का था। तो गांव वालों ने उसके इलाज के लिए 2 लाख रुपये से भी ज्यादा की राशि एकत्रित की। फिर मुझे खबर मिली तो मैं दिल्ली से सीधे अस्पताल पहुंचा और डॉक्टर्स से चर्चा कर आयुष्मान कार्ड की मदद से उनका बेहतर इलाज हुआ।

गरीब और किसानों की सेवा ही जीवन की असली सार्थकता केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि रोजाना कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आते हैं गरीब, मध्यम वर्गीय और किसानों की सेवा ही जीवन की असली सार्थकता है। उन्होंने कहा कि इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड एक बड़ा सहारा है। एम्स जैसे सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ प्राइवेट अस्पतालों में भी आयुष्मान कार्ड का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने इसके उपयोग पर एक प्रेजेंटेशन कराने की बात भी कही, ताकि लोगों को पूरी जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है तो शिविर लगाकर कार्ड बनवाए जाएंगे और जरूरत पड़ने पर स्वेच्छा अनुदान या अन्य माध्यमों से भी इलाज कराया जाएगा।

रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ग्रुप की रिसर्च साइंटिस्ट ई श्रीवानी के.एस. ने कहा कि सिंगल-बोर्ड कंप्यूटर प्रतुश के लिए डिजिटल रिसीवर सिस्टम का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसे मास्टर कंट्रोलर और डेटा रिकॉर्डर दोनों के रूप में काम करने के लिए सावधानीपूर्वक चुना गया है। पारंपरिक समाधानों की जगह कम-शक्ति वाले सिंगल-बोर्ड कंप्यूटर का इस्तेमाल करके, प्रतुश वज़न, ऊर्जा की खपत और परिष्कार को कम करता है, जो अंतरिक्ष अभियानों के लिए सभी महत्वपूर्ण पहलू हैं। यह एक अत्यधिक संवेदनशील रेडियोमीटर को चंद्रमा की कक्षा में स्थापित करना कहीं अधिक यथार्थवादी बनाता है। रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट के खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी के एसोसिएट प्रोफेसर सौरभ सिंह और मयूरी एस. राव ने कहा कि सिंगल-बोर्ड कंप्यूटर आधारित डिजिटल रिसीवर जैसी प्रौद्योगिकियां सौरमंडल के सबसे शांत कोनों में से एक से कॉस्मिक डॉन के सिग्नल का पता लगाने के लिए पेलोड का अभिन्न अंग होंगी। प्रतुश शायद यह उजागर कर सके कि पहले तारों ने ब्रह्मांड को कैसे आकार दिया और संभवतः नई भौतिकी की खोज भी कर सके। इस प्रयास की सफलता के पीछे शायद तकनीक का एक छोटा सा अंश छिपा हो, एक छोटा सा कंप्यूटर जो ब्रह्मांड की शुरुआती आवाजों को सुनने के मानवता के सबसे महत्वाकांक्षी प्रयासों में से एक को शांतिपूर्वक संचालित कर रहा हो।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

पूर्व महामहिम राज्यपाल रमेश बैस का होगा शिवरीनारायण आगमन

संवाददाता

जांजगीर चांपा / महाराष्ट्र राज्य के पूर्व महामहिम राज्यपाल माननीय रमेश बैस जी का शिवरीनारायण आगमन का कार्यक्रम निर्धारित हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वे शिक्षक दिवस के अवसर पर शिवरीनारायण पधारेंगे, 5 सितंबर 2025 को दोपहर 12:00 बजे उनका आगमन होगा। भगवान श्री शिवरीनारायण जी के दर्शन पूजन के उपरांत श्री महन्त लाल दास शिक्षण संस्थान के द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के अध्यक्ष महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज होंगे। उल्लेखनीय है कि शिक्षक दिवस के अवसर पर श्री महन्त लाल दास कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में प्रत्येक वर्ष शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है । इसी सिलसिले में इस वर्ष माननीय महामहिम पूर्व राज्यपाल जी का आगमन हो रहा है। राजेश्री महन्त जी महाराज ने उनके निवास पर पहुंचकर उन्हें निमंत्रण दिया जिस पर वे काफी गदगद हुए एवं आने का आग्रह स्वीकार किया।

अवैध शराब बिक्री के कारोबार पर पुलिस की करारी चोट

अगस्त माह में 700 लीटर से अधिक अवैध कच्ची महुआ, देशी अंग्रेजी शराब जब्त

जांजगीर चांपा / अवैध शराब बिक्री के कारोबार पर जिले में पुलिस ने शिकंजा कसा है और अगस्त महीने में 121 व्यक्तियों के खिलाफआबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए 116 प्रकरण अपराध पंजीबद्ध किया गया है। इसमें 49 प्रकरण में 54 व्यक्तियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है वहीं 121 व्यक्तियों के द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने पाए जाने पर, उनके वाहन को जप्त कर न्यायालय पेश भी किया गया है । दूसरी तरफशराब बनाने वाले स्थानों पर पुलिस ने दबिश देकर कार्यवाही किया है। इसी तरह अवैध शराब बिक्री में 12 मोटर सायकल को परिवहन में उपयोग करने पाए जाने से जप्त किया गया है और जप्त मोटर सायकल की राजसात की कार्यवाही भी की जा रही है । इस प्रकार कुल कच्ची महुआ शराब 592 लीटर, देशी प्लेन शराब 99 लीटर, अंग्रेजी शराब 9 लीटर 620 मिली लीटर जब्त की गई है । यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने सामाजिक शांति को बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने अवैध शराब व नशे के कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए दिनांक माह अगस्त (एक माह) में पुलिस ने सघन अभियान चलाकर क्षेत्र में फैले नशे के जाल पर सर्जिकल स्ट्राइक कर दी है । अवैध शराब निर्माण में प्रयुक्त चूल्हा, बर्तन, ड्रम, पाइपिंग जैसी सामग्री को मौके पर ही नष्ट किया गया और खेत, नहर, तालाबों के किनारे गुप्त रूप से चल रहे शराब निर्माण केंद्रों का पर्दाफाश किया गया। यह संपूर्ण कार्रवाई पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कुमार कश्यप के निर्देशन में योजनाबद्ध ढंग से की गई, जिसमें गुप्त सूचना संकलन, गश्त दलों की सक्रियता और तकनीकी सहायता का समुचित उपयोग किया गया।

महिला कमांडो टीम की तैनाती

अवैध कारोबार के विरुद्ध जनसहभागिता बढ़ाने हेतु थाना क्षेत्र के चयनित गांवों में महिला कमांडो नियुक्त की गई हैं, जो गांव-गांव में जागरूकता फैला रही हैं एवं अवैध शराब विक्रेताओं के विरुद्ध जनमत तैयार कर रही हैं और पुलिस का संदेश स्पष्ट है कि जांजगीर चांपा जिले में नशे का कारोबार नहीं चलने दिया जाएगा ।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय की पहल

सबरिया समाज के लोगों ने छोड़ना प्रारंभ किया अवैध शराब बनाने की राह और अपनाया स्वावलंबन

जांजगीर चांपा / संवाददाता

जांजगीर चांपा / पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय की पहल का असर अब जिले में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सामाजिक पुलिसिंग के अंतर्गत सबरिया समाज को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें स्वावलंबी बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि स्वयं सबरिया समाज के लोग अब अवैध शराब बिक्री से दूरी बनाने का संकल्प ले रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सबरिया समाज के लोग सामूहिक चर्चा कर इस बात पर एकमत हो चुके हैं कि अब वे अवैध शराब बिक्री जैसी गतिविधियों में शामिल नहीं होंगे। पुलिस अधीक्षक द्वारा समाज के लोगों को स्वरोजगार, कौशल विकास और विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की योजना लागू की जा रही है। इसके तहत महिलाओं को बिहान ग्रुप से भी जोड़ा जा चुका है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में गत दिनांक 1 सितंबर 25 को पामगढ़ के ग्राम कमरीद के सबरिया समाज के लोगों को ग्राम खोखसा मे मानिकपूरी समाज की महिलाओ द्वारा बनाये जा रहे साबुन, फिनाइल, डिटर्जेंट अगरबत्ती बनाने की गतिविधियों से अवगत कराया गया।

पुलिस अधीक्षक का मानना है कि यदि समाज का कमजोर वर्ग आत्मनिर्भर होगा तो वह किसी भी तरह के अवैध कार्यों में शामिल नहीं होगा। पुलिस का यह कदम जिले के लिए मिसाल बनता जा रहा है।

जांजगीर-चांपा पुलिस की अपील

अवैध शराब की बिक्री एक गंभीर अपराध है, इससे समाज में कई तरह की त्रासदियां जन्म लेती हैं।
सभी नागरिक जिम्मेदारी निभाते हुए ऐसे अपराधों की रोकथाम में पुलिस का सहयोग करें।
यदि कहीं भी अवैध शराब के निर्माण या बिक्री की जानकारी हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें।
पुलिस प्रशासन को उम्मीद है कि इस सकारात्मक पहल से सबरिया समाज ही नहीं, बल्कि पूरे जिले में अपराधों पर अंकुश लगेगा और स्वावलंबन का संदेश फैलेगा।*

तीव्र आवाज में डीजे साउंड बजाने वाले के विरूद्ध कार्यवाही कर डीजे किया गया जप्त

चौकी पंतोरा पुलिस की कार्यवाही

जांजगीर चांपा / जिला पुलिस द्वारा देर रात्रि डीजे बजाने एवम अत्यधिक आवाज में डीजे बजाने वाले के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है । इसी क्रम में चौकी पंतोरा पुलिस द्वारा ग्राम बक्सरा में गणेश विसर्जन के दौरान सीमा से अधिक बहुत ही तेज अवाज में डीजे बजाना पाए जाने डीजे संचालक शुभम मिरी निवासी निवासी बक्सरा के विरुद्ध धारा 6,11 कोलाहल अधिनियम के तहत् कार्यवाही कर डीजे साउण्ड सिस्टम को जप्त किया गया है। उपरोक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी पंतोरा एएसआई दिलीप सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

घर अंदर घुसकर महिला से छेडछाड करने वाला आरोपी गिरफ्तार

थाना अकलतरा पुलिस की कार्यवाही

जांजगीर चांपा / रात्री में घर अंदर घुसकर महिला से छेड़छाड़ के आरोपी को अकलतरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है । मामले का विवरण इस प्रकार है कि आरोपी द्वारा दिनांक 31अगस्त 25 की रात्रि में पीड़िता के घर अंदर घुसकर बेइज्जती करने की नियत से छेड़छाड़ करने लगा । पीड़िता चिल्लाई तो आरोपी वहां से भाग गया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध थाना अकलतरा मे अपराध क्रमांक 419/25 धारा 331(2) 74 क्वहस् पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था । महिला पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में आरोपी महावीर कंवर को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है। उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक भास्कर शर्मा थाना प्रभारी अकलतरा, सउनि बी.पी खाण्डेकर, आरक्षक ओमकार मरावी,महिला आरक्षक अंजना लकडा का सराहनीय योगदान रहा।

एसपी के हाथों युवकों का होगा सम्मान

मोहम्मद साहब के पंद्रह सौवा वर्ष पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी मुस्लिम समाज

जांजगीर चांपा /

धर्म के प्रवर्तक पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के पंद्रह सौंवा पैदाइश दिवस 5 सितंबर शुक्रवार को उल्लास पूर्वक मनाया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए मुस्लिम जमात नैला के कार्यकारी अध्यक्ष रफीक सिद्धिकी ने बताया कि मोहम्मद साहब के उपलक्ष्य में मुस्लिम समाज नैला जांजगीर द्वारा तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है । उन्होने आगे बताया कि 3 सितंबर बुधवार को नैला स्थित मुस्लिम सामुदायिक भवन में युवकों द्वारा रक्तदान शिविर तथा स्वास्थ्य परीक्षण रखा गया है । रक्तदान शिविर में भाग लेने वाले युवकों का सम्मान दोपहर 2 बजे जांजगीर चांपा के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के हाथों किया जावेगा। साथ ही इसी दिन शाम को बच्चों का नाथखानी का प्रोग्राम भी आयोजित है । 4 सितंबर गुरूवार को रात्री 8 बजे से आम लंगर व रात्री 10 बजे मस्जिद में (प्रवचन) तकरीर आयोजित है । 5 सितंबर शुक्रवार को प्रातः 9 बजे नैला मस्जिद के पास से मोटर साइकिल रैली निकलेगी जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुरानी बस्ती नैला में समाप्त होगी । इसी दिन दोपहर शुक्रवार नमाज के बाद मस्जिदों में परचम कुसाई (ध्वजारोहण) किया जाएगा। इसी दिवस दोपहर 3 बजे नैला मस्जिद के पास से पैदल जुलूस आरंभ होगी जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए नैला मस्जिद के पास शीरनी (प्रसाद) वितरण के साथ समाप्त होगी । आयोजित कार्यक्रमों में तय वक्त पर जमात के लोगों से भाग लेने की अपील हाजी अहमद सलाम खान सदर ने की है ।

कमला कॉलेज के सामने सब्जी मंडी शेड बना शराबियों का अड्डा, फैली गंदगी

राजनांदगांव। कमला कॉलेज के सामने हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी मे सब्जी मंडी शेड निर्माण विगत कई वर्षों से जर्जर हालत में है जर्जर हालत में होने के कारण व्यापारियों द्वारा वहां पर अपनी व्यवसाय नहीं करते हैं। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के रहवासियों ने बताया कि विगत कई वर्षों से इसकी हालत जर्जर हो चुकी है जहां पर अब असामाजिक तत्वों का शराबियों का जमावड़ा रात्रि 12 बजे तक रहता है दिन में भी लोग सब्जी मंडी शेड पर शराब पीते नजर आते हैं जबकि सामने ही शिक्षा का मंदिर कमला कॉलेज है। आसपास के रहवासियों ने बताया कि सब्जी मंडी शेड अब सिर्फ शराबियों का अड्डा बन चुका है जहां पर डिस्पोजल, पानी पाउच और चखना सामानों के अलावा कांच की बोतल नजर आती है।

कलेक्टर ने ली राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की बैठक त्रुटि सुधार प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें - महोबे

जांजगीर-चांपा

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर ने बैठक में राजस्व, कृषि एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को एग्रीस्टैक पंजीयन अंतर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फार्मर रजिस्ट्री में शेष कृषकों का शत प्रतिशत पंजीयन करने के निर्देश दिए है। उन्होंने खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के किसानों का मिशन मोड में कार्य करते हुए एग्रीस्टैक में पंजीकृत करने, लक्ष्य अनुरूप फार्मर रजिस्ट्री और एप्रूअल हेतु लंबित प्रकरणों को निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने एग्रीस्टैक पंजीयन अंतर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों का निरीक्षण करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि किसानों से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि त्रुटि सुधार से संबंधित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने खाद की स्थिति की जानकारी ली और अधिकारियों से कहा कि किसानों को समय पर एवं पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराया जाए। इस संबंध में किसी भी प्रकार की कमी या अनियमितता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नैनो यूरिया को किसानों तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि कृषि कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए। इसके लिए प्रचार प्रसार करने के निर्देश कृषि विभाग अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने धान खरीदी की तैयारियों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पूराने बारदानों को सुरक्षित रखा जाए ताकि आगामी धान खरीदी में बारदाने की समस्या ना हो। कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि तहसीलदार नियमित रूप से बैठक ले तथा पटवारियों से राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि ऋण पुस्तिका संबंधी कार्यों को लेकर किसानों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी अधिकारी सजगता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को ई-कोर्ट के माध्यम से संचालित न्यायालयीन प्रकरणों की स्थिति की सिलसिलेवार समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को शीघ्र न्याय मिल सके।

लंबे समय से फरार चल रहें एक निगरानी बदमाश सहित 9 गिरफ्तारी वांरटियों को बलौदा पुलिस ने पकड़ा

जाजगांर चापा / लंबे समय से फरार चल रहे एक निगरानी बदमाश सहित 9 वारंटीयों को बलौदा पुलिस ने पकड़ा है । पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ सख्त कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में थाना बलौदा पुलिस द्वारा थाना स्तर पर टीम गठित कर अभियान चालाया गया जिसमें थाना बलौदा क्षेत्रांतर्गत अलग- अलग अपराधिक प्रकरणों में फरार चल रहे 1 स्थाई गिरफ्तारी वारंट एवं 8 गिरफ्तारी वारंट को पकड़ा गया है जिसे माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार वारंटियों का नाम श्रीलाल लहरे उम्र 37 वर्ष निवासी खिसोरा, निरंजन कुमार टण्डन उम्र 35 वर्ष खमदाईपारा खिसोरा, राजू कश्यप उम्र 34 वर्ष निवासी बैजलपुर , श्यामलाल रोहिदास उम्र 52 वर्ष निवासी पहरिया , गोपी पाटले उम्र 25 वर्ष निवासी बुचीहरदी , कृष्णा यादव उम्र 30 वर्ष निवासी हरदी महामाया, छोटू देवार उम्र 23 वर्ष देवारपारा बलौदा, गणेशू देवार उम्र 24 वर्ष देवारपारा बलौदा, मुकेश विश्वकर्मा निवासी खिसोरा थाना बलौदा शामिल हैं। वारंटियों की धरपकड़ कार्यवाही मे थाना प्रभारी बलौदा निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव, प्रआर सहेत्तर पाटले, आर. ईश्वरी राठौर, रूपेश डहरिया, सुमित श्रीवास का विषेश योगदान रहा।

खास खबर

सफलता देता है मायारहित जीवन : आर्यिका रत्न

कोरबा संवाददाता। दिगंबर जैन मंदिर में पर्यूषण पर्व जारी है। 10 लक्षणों पर यहां विचार मंथन के साथ संवाद हो रहा है। आर्यिका रत्न ने यहां लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मायारहित जीवन से सफलता मिलना सुनिश्चित है। जबकि कुटिलता जीवन को नकारात्मक बनाती है और व्यक्ति के मन में कई तरह की बुराईयों का समावेश कर देती है।

उन्होंने कहा कि हमें सदैव सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र का पालन करना चाहिए ।देव- शास्त्र -गुरु का स्मरण करने से उत्तम आर्जव धर्म का पालन होता है। यदि इन तीनों की प्रति समर्पित नहीं हुए,तो मन, वचन, काय की कुटिलता होगी और इसी कुटिलता को दूर करना सरलता का पालन करना ही उत्तम आर्जव है। इसके विपरीत मायाचारी होती है। व्यक्ति में धर्म, कर्म, व्यापार आदि ऐसा कोई स्थान नहीं है जहां मायाचारी नहीं होती है। इस प्रकार से हमने धर्म को समझ तो लिया, जान तो लिया लेकिन इसके पालन करने पर ही उत्तम आर्जव धर्म का पालन होता है। इस प्रकार से जैन समाज मैं पर्यूषण पर्व के तीसरे दिन उत्तम आर्जव धर्म को अच्छे ढंग से समझ कर अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। पर्यूषण पर्व में प्रातरू से ही श्री जी का अभिषेक, शांति धारा एवं पूजन किया। सांस्कृतिक प्रभारी ने बताया कि अनंत चतुर्दशी तक पर्यूषण पर्व जारी रहेगा। इसके अंतर्गत कई प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों के लिए रखी गई है। जैन समाज ने तय किया है कि पिछले वर्षों की तरह इस बार भी समापन विजेताओं को प्रोत्साहित करने पुरस्कार दिये जाएंगे।

रेत उत्खनन कर खनिज विभाग व प्रशासन को दे रही चुनौती, आखिर किसकी संरक्षण

कोरबा संवाददाता। कोरबा जिला प्रशासन की ओर से जिले के कलेक्टर ने बैठक कर साफकह दिया है कि मानसून को देखते हुए नदी-नालों से रेत उत्खनन पुरी तरह से बंद रहेगा , चाहे वैध हो या अवैध अक्टूबर माह तक रेत उत्खनन प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके लिए खनिज विभाग के टीम के बैठक लेकर कहां है कि जहां भी रेत उत्खनन हो रहे हैं वहां तत्काल कार्रवाई कर वाहन जप्ती करें। और खनिज विभाग की टीम समय-समय पर कार्रवाई कर भी रहे हैं। लेकिन बांकीमोंगरा व कटघोरा क्षेत्र में इसकी असर नहीं पड़ रहे हैं, खनिज विभाग व जिला प्रशासन को चुनौती देते हुए रेत माफिया दिन हो या रात डबल इंजन ट्रैक्टर कर अवैध रूप से रेत उत्खनन किया जा रहा है।

गौर करने वाली बात यह भी है कि बांकीमोंगरा पुलिस भी अपनी जिम्मेदारी निभाने में पीछे हटे हुए हैं, जबकि कभी कभी चैक चैराहे पर रेत से भरें ट्रैक्टर वाहन दिखने पर बांकीमोंगरा पुलिस उसे थाना ले जाया करता है, मगर अभी कार्रवाई करना उचित नहीं समझ रहे हैं। आपको बता दें बांकीमोंगरा क्षेत्र के तेलसरा , कुमगरी , सुमेधा , गजरा , छुराकछार , मढ़वाढोडा , पुरेना , कोराई , ढ़पढ़प और घनाकछार सहित कटघोरा क्षेत्र के अहिरन नदी , ढेलवाडिह , धवाईपुर व अनेक नदियों का सीना चीर कर अवैध रेत उत्खनन किया जा रहा है।

एक दशक बाद किराए के भवन से मिली आजादी

बाल संप्रेक्षण गृह स्वयं के कोहड़िया स्थित सर्वसुविधायुक्त भवन में शिफ्ट ,कलेक्टर ,डीपीओ की पहल से 51 अपचारी बच्चों को बेहतर वातावरण में मिलेंगी सर्व सुविधाएं

राजनादगांव ,

कोरबा । कलेक्टर अजीत वसंत की दृढ़ इच्छाशक्ति एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी रेणु प्रकाश के अथक प्रयासों से संचालन समयावधि एक दशक से भी अधिक समय से स्वयं के एक अदद भवन के लिए तरस रहे बाल संरक्षण गृह को आखिरकार कोहड़िया में सर्वसुविधायुक्त स्वयं का भवन मिल गया । सुरक्षा एवं सुविधाओं की दृष्टि से उपयुक्त भवन महिला एवं बाल विकास विभाग को हैंडओवर कर दिया गया है। इसके साथ ही नए भवन में संचालन शुरू हो गया है। प्रशासन की इस पहल से जहां विभाग को किराए के तंग भवनों से आजादी मिल गई है वहीं महकमे ने भी राहत की सांस ली है। जहाँ रखे गए 51 अपचारी बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

जशपुर ,रायगढ़ समेत अन्य जिलों में बाल संप्रेक्षण गृह का संचालन किया जा रहा है। इनमें जगदलपुर व राजनांदगांव में बालिकाओं के लिए संप्रेक्षण गृह तो शेष जिलों में बालकों के लिए संप्रेक्षण गृह का संचालन किया जा रहा है । विधि से संघर्षरत अंडर ट्रायल बच्चों को किशोर न्याय बोर्ड के आदेश पर सुधारात्मक

उपचार के लिए बाल संप्रेक्षण गृह में रखा जाता है। कोरबा जिले में पिछले एक दशक वित्तीय वर्ष 2015-16 से बाल संप्रेक्षण गृह संचालित है। जिसमें 2016 -17 से बच्चे आए। लेकिन संचालन वर्ष से लेकर अब तक बाल संप्रेक्षण गृह को स्वयं का सुविधायुक्त भवन नहीं मिल सका था। दादरखुर्द के किराए के भवन से बाल संप्रेक्षण गृह की शुरुआत हुई ,लेकिन कुछ सालों बाद भी सुविधाओं का अभाव एवं सुरक्षा की दृष्टि से विभाग ने रिसदी में पुनः किराए के भवन की तलाश कर संचालनन शुरू कर दिया । लेकिन यहाँ भी पिछले 7 -8 सालों से सुविधाओं एवं सुरक्षा की कमी महसूस की जा रही थी। दर्जनों मर्तबा यहाँ बच्चे सुरक्षाकर्मियों को चकमा देकर भाग निकलते थे। हालांकि सुखद पहलू यह रहता था कि अपचारी बच्चे अपने अभिभावकों के पास ही भावनात्मक लगाव वश जाते थे। जिन्हें पुनः परिजनों के यहाँ से सकुशल बरामद कर समझाइश देकर संप्रेक्षण गृह में रखा जाता था। लेकिन समय समय पर घटित इन घटनाओं से संबंधित विभाग सहित जिला प्रशासन की चिंता बढ़ जाती थी। कोरबा में बाल सम्प्रेक्षण गृह भवन की महती आवश्यकता को देखते हुए जिला प्रशासन ने कोहड़िया के समीप जिला खनिज न्यास मद से लगभग 08 करोड़ रूपये की लागत से बाल सम्प्रेक्षण गृह भवन का निर्माण कराया गया था। नगर निगम के कोहड़िया स्थित जल उपचार संयंत्र के पीछे स्थित बाल सम्प्रेक्षण गृह भवन का निर्माण कार्य वर्ष 2021 में पूर्ण कर लिया गया था। उक्त भवन तक पहुंचने के लिए पहुंच मार्ग का निर्माण नहीं कराया गया था, परिणाम स्वरूप भवन का उपयोग नहीं हो पा रहा, जिसके कारण असामाजिक तत्वों के द्वारा भवन में लगे दरवाजे, खिड़की, फाल्स सीलिंग, विद्युत फिटिंग व संबंधित सामग्री, सेनेटरी सामग्री, टाईल्स आदि उखाड़कर चोरी कर लिए गए थे, भवन खंडहर स्थिति में पहुंचने की कगार पर था। इसके साथ ही वहाँ पर विभिन्न सुविधाओं का अभाव भी था, जिसके चलते वहाँ पर विभाग सुरक्षा एवं सुविधाओं की दृष्टि से उक्त भवन को हैंडओवर नहीं ले रहा रहा।महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) रेणु प्रकाश ने उक्त कमी एवं बाल संप्रेक्षण गृह के किराए के भवन में संचालन के दौरान आ रही दिक्कतों को कलेक्टर अजीत वसंत के समक्ष प्राथमिकता से रखा। विभागीय उच्च अधिकारियों को भी इससे अवगत कराया था।

कलेक्टर अजीत वसंत ने उक्त विषय को संज्ञान में लेते हुए नगर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के साथ स्थल का निरीक्षण किया, भवन की स्थिति को देखा तथा उन्होने भवन का मरम्मत करने, मुख्य मार्ग से भवन तक सड़क का निर्माण कराने, पार्किंग शेड, वेटिंग हाल, स्ट्रीट लाईट व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाएं किए जाने के निर्देश दिए, इसके साथ ही कलेक्टर श्री वसंत ने प्रमुख कार्यो हेतु जिला खनिज न्यास मद से अतिरिक्त स्वीकृति भी प्रदान की। आयुक्त आशुतोष पण्डेय ने इस पर तत्काल कार्यवाही प्रारंभ कराई तथा कार्यो की लगातार मानिटरिंग करते हुए कार्यो को तीव्र गति दी, जिसके परिणाम स्वरूप बाल सम्प्रेक्षण गृह भवन का मरम्मत व सुधार कार्य पूरा करने के साथ ही सड़क का निर्माण का कार्य पूर्ण किया गया एवं भवन में सभी आवश्यक सुविधाओं से जुड़े कार्यो को त्वरित रूप से पूरा कराया गया।

कोरबा के 8 स्काउट्स, गाइड्स, रेंजर्स को मिला राष्ट्रपति पुरस्कार

कोरबा। संवाददाता

रविवार, 31 अगस्त, 2025 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में राष्ट्रपति पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। कोरबा जिले से 8 स्काउट्स, गाइड्स, रेंजर्स को राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त हुआ। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा आयोजित समारोह में केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने राष्ट्रपति पुरस्कार का वितरण किया। कोरबा जिले से रेंजर गीता वैष्णव ने मंच से राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त किया। जिले के स्काउट सौरभ कुमार धृतलहरे, निखिल साहू, गाइड रोशनी पटेल, आकृति खूंटे, सुरेखा कंवर, रेंजर राजेश्वरी साहू, कोमल शर्मा, गीता वैष्णव को राष्ट्रपति पुरस्कार का प्रमाण पत्र मिला है। पुरस्कार के प्रमाण पत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्ताक्षर से जारी हुए हैं। मूल समारोह 22 जुलाई, 2025 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित हुआ था। यहां चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया गया था। देशभर के शेष प्रतिभागियों को 31 अगस्त को आयोजित समारोह में राष्ट्रपति पुरस्कार के प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

छत्तीसगढ़ के 20 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स का दल राज्य मुख्य आयुक्त डा. सोमनाथ यादव के मार्गदर्शन में इस समारोह में सम्मिलित हुआ।

जिला मुख्य आयुक्त मोहम्मद सादिक शेख ने बताया कि 2016 तथा 2018 से 2021 तक के तकनीकी कारणों से लंबित राष्ट्रपति पुरस्कारों का वितरण किया गया है। इस अवधि में छत्तीसगढ़ राज्य से सफल हुए कुल 54 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स को राष्ट्रपति पुरस्कार मिला है। भारत मंडपम में आयोजित समारोह में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल जैन, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डा. केके खंडेलवाल सहित अन्य विशिष्टजनों की उपस्थित रही।

सिंचाई कालोनी व सीएसईबी कालोनी में शीट तोड़कर सामान व घर के भीतर से बाइक ले उड़े चोर

कोरबा संवाददाता।

अज्ञात चोर द्वारा घर के छत का शीट तोड़कर घर के अंदर घुसकर चोरी को बड़े इत्मीनान के साथ 67 हजार रुपए की चोरी को अंजाम दिया गया। अज्ञात चोर के विरुद्ध धारा 305(ए), 331(4)-बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर पतासाजी किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक परदेशी राम विश्वकर्मा 55 वर्ष पिता-स्व. रामाधार विश्वकर्मा आई.टी.आई एरिकेशन कॉलोनी, ओल्ड शिव मंदिर पार्षद अजय गोड़ के घर के पास का रहने वाला है। 22 अगस्त को तीज त्यौहार मनाने के लिये वह भाठापारा रायपुर गया था। 28 अगस्त को वापस कोरबा घर आया तो पता चला कि घर में चोरी हुई है क्योंकि दरवाजा अंदर से बंद था। पता करने पर छत के ऊपर का शीट टूटा हुआ पाया। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि घर से अज्ञात चोर द्वारा एलईडी टीवी सैमसंग कंपनी 43 इंच, जियो सेटअप बॉक्स, चार फुल्ली नाक का, एक कान का ईयररिंग, तीन जोडी पायल, हाथ घडी, नगदी दो हजार रूपये कुल 67 हजार रूपये की चोरी हुई है। परदेशी राम विश्वकर्मा पिता स्व. रामाधार विश्वकर्मा की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के विरुद्ध धारा 305(ए), 331(4)-बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर पतासाजी किया जा रहा है। चोरी की दूसरी वारदात सीएसईबी कालोनी की है। कृष्ण कुमार पिता नंदझरोखा निवासी ओ.सी. 62 सीएसईबी कॉलोनी ने 28 अगस्त को भी रात 11.30 बजे घर के अंदर वाहन लॉक करके खड़ा किया था। किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा चोरी कर लिया गया गया।

एक माह में बिना नंबर प्लेट वाले 266 वाहन चालकों पर कार्यवाही

कोरबा, लोकशक्ति।

पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशानुसार दिनांक 01.08.2025 से 31.08.2025 तक थाना, चौकी एवं यातायात पुलिस द्वारा अभियान चलाया गया। इस क्रम में कोरबा पुलिस के द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अभियान के दौरान बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने वाले कुल 266 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 39/192 के तहत कार्यवाही की गई। जिसमें विभिन्न थाना एवं यातायात पुलिस की सक्रियता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

वाहन चलाते समय बरती जाने वाली सावधानियाँ अपने वाहन पर हमेशा वैध एवं निर्धारित प्रारूप की नंबर प्लेट लगाएँ। बिना पंजीकरण (आरसी) और बीमा के वाहन सड़क पर न चलाएं।

वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।

वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें।

कानूनी प्रावधान - मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 39- बिना पंजीकरण किसी भी मोटर वाहन का उपयोग प्रतिबंधित है।

मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 192- बिना नंबर प्लेट-पंजीकरण के वाहन चलाने पर दंड का प्रावधान है।

इन धाराओं के अंतर्गत उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्यवाही की जाती है तथा नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की अपील - कोरबा पुलिस आमजन से अपील करती है कि सभी वाहन स्वामी अपने वाहन पर वैध नंबर प्लेट लगाएँ, बिना नंबर प्लेट वाहन चलाना अपराध है तथा इससे अपराधियों की पहचान में कठिनाई आती है। यातायात नियमों का पालन करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

हार्ट अटैक मरीजों को अब चिंता नहीं : हॉस्पिटल में थ्रॉम्बोलिसिस से बच रही जानें,

कोरबा के एमजीएम 24 घंटे उपलब्ध आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएँ

कोरबा हार्ट अटैक जैसी गंभीर स्थिति में अब कोरबा के मरीजों को दूर बड़े शहरों तक भागने की जरूरत नहीं है। मीना जैन मेमोरियल हॉस्पिटल ने थ्रॉम्बोलिसिस जैसी अत्याधुनिक सुविधा देकर कई जिंदगियों को नया जीवन दिया है। बीते कुछ एक माह में यहाँ 15 से अधिक मरीजों को समय रहते थ्रॉम्बोलिसिस देकर हार्ट अटैक से होने वाली मौत से बचाया गया है। मरीजों को तुरंत राहत मिली और परिवार को बड़ी चिंता से निजात। एमजीएम हॉस्पिटल की यह पहल कोरबा जैसे इलाके के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यहाँ के एमडी

मेडिसिन डॉक्टर प्रिंस जैन ने इस सुविधा को संभव बनाया है। डॉक्टर जैन न केवल हार्ट और बीपी-शुगर के विशेषज्ञ हैं बल्कि क्रिटिकल केयर जैसी गंभीर बीमारियों का भी समर्पित इलाज करते हैं। उनकी देखरेख और अनुभव के कारण अब कोरबा के मरीजों को रायपुर या अन्य बड़े शहरों तक भागने की मजबूरी से छुटकारा मिल गया है। डॉक्टर जैन को स्थानीय लोग गरीबों का मसीहा भी कहते हैं। वजह है कि वे हर मरीज को पूरी ईमानदारी और लगन से उपचार उपलब्ध कराते हैं। उनके प्रयासों से न सिर्फ हार्ट अटैक बल्कि अन्य गंभीर बीमारियों से भी राहत पाने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एमजीएम हॉस्पिटल केवल हार्ट अटैक ही नहीं बल्कि हर तरह की आपात और नियमित चिकित्सा सेवाओं में भी अग्रणी है। यहाँ 24 घंटे डिलीवरी (नॉर्मल व ऑपरेशन) की सुविधा उपलब्ध है, जिससे गर्भवती महिलाओं को समय पर सुरक्षित उपचार मिलता है। साथ ही 24 घंटे शिशुरोग विशेषज्ञ उपलब्ध रहते हैं, ताकि नवजात शिशु और बच्चों को हर वक्त बेहतर देखभाल मिल सके।

इसके अलावा अस्पताल में ट्रॉमा केयर यूनिट भी है, जहाँ दुर्घटनाग्रस्त और गंभीर मरीजों का त्वरित इलाज किया जाता है। हड्डी रोग विशेषज्ञ और जनरल सर्जरी की सेवाएँ लगातार उपलब्ध हैं। एमजीएम हॉस्पिटल में 22 बेड का अत्याधुनिक आईसीयू स्थापित किया गया है, जो गंभीर मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होता है। एमजीएम हॉस्पिटल में 24 घंटे फार्मेसी और लैब की सुविधा है, जिससे मरीजों को दवाओं और जाँच के लिए बाहर भटकना नहीं पड़ता। यहाँ मरीजों की जरूरत को देखते हुए प्राइवेट वार्ड और सबसे किफायती जनरल वार्ड भी उपलब्ध कराए गए हैं।

कोरबा के श्वेता हॉस्पिटल में चमत्कारी देखभाल : प्रीमैच्योर बच्चे की सफल उपचार यात्रा ने रचा विश्वास का नया अध्याय

कोरबा लोकशक्ति।

शहर के श्वेता हॉस्पिटल से एक प्रेरणादायी और उम्मीद भरी खबर सामने आई है। यहाँ के अनुभवी डॉक्टरों और उन्नत चिकित्सा सुविधाओं की बदौलत एक बेहद प्रीमैच्योर नवजात शिशु को जीवनदान मिला है। इस पूरे घटनाक्रम ने न केवल परिजनों को राहत दी है, बल्कि श्वेता हॉस्पिटल की चिकित्सा गुणवत्ता पर आमजन का विश्वास भी और मजबूत किया है।

मूलतः कोरबा निवासी सरोजनी आदित्य और अजय कुमार अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान श्वेता हॉस्पिटल में नियमित इलाज करवा रहे थे। गर्भावस्था के लगभग छठे महीने के बाद सरोजनी को अचानक तबियत बिगड़ने की शिकायत हुई और जटिलताएँ उत्पन्न हो गईं। तत्कालीन परिस्थिति को देखते हुए गायनिक विशेषज्ञ डॉ. एम. कुजूर ने गहन जांच की और शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय वर्मा के साथ परामर्श कर तुरंत ऑपरेशन का निर्णय लिया। ऑपरेशन के बाद एक बेहद प्रीमैच्योर शिशु का जन्म हुआ, जिसका वजन मात्र 1 किलो था। सामान्य परिस्थितियों में ऐसे बच्चे का बच पाना बेहद कठिन होता है। जन्म के तुरंत बाद ही शिशु को अस्पताल के अत्याधुनिक एनआईसीयू में भर्ती किया गया, जहाँ विशेषज्ञ टीम ने लगातार निगरानी और उपचार किया।

डॉक्टरों की टीम ने शिशु को पूरी तरह विशेष

देखरेख में एनआईसीयू में रखा। 24 घंटे पैथोलॉजी, इन-हाउस दवाइयाँ और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता ने उपचार को और बेहतर बनाया। बीच में तकनीकी कारणों से कुछ दिनों के लिए अस्पताल अस्थायी रूप से बंद हुआ, जिस वजह से शिशु को बाहर के अस्पताल ले जाना पड़ा। इस दौरान बच्चे का वजन घटकर मात्र 900 ग्राम रह गया, जो परिजनों के लिए बेहद चिंता का विषय था। हालांकि, दोबारा श्वेता हॉस्पिटल में भर्ती करने के बाद डॉक्टरों की टीम ने दिन-रात मेहनत कर बच्चे की हालत को स्थिर किया। महज दो हफ्तों के भीतर बच्चे का वजन 1540 ग्राम तक पहुँच गया और आखिरकार शिशु को स्वस्थ अवस्था में डिस्चार्ज कर दिया गया।

बच्चे के माता-पिता सरोजनी आदित्य और अजय कुमार ने भावुक होते हुए कहा कि यह अनुभव उनके लिए किसी चमत्कार से कम नहीं था।

जलोपचार संयंत्र में आई तकनीकी खराबी शहर में सुबह की जलापूर्ति रहेगी बाधित

कोरबा । नगर निगम कोरबा के अधीन संचालित जल उपचार संयंत्र में अचानक आई तकनीकी खराबी के कारण संयंत्र का संचालन ठप हो गया है। इस वजह से शहर की नियमित जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित होगी।

निगम प्रशासन ने बताया कि संयंत्र की खराबी के चलते मंगलवार, 02 सितंबर की सुबह निर्धारित समय पर जलापूर्ति नहीं हो सकेगी। इस दौरान नलों में पानी उपलब्ध नहीं होगा, जिससे नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। नगर निगम के इंजीनियरिंग अमले ने मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है। जलप्रदाय विभाग का कहना है कि तकनीकी खामियों को दूर करने का काम युद्धस्तर पर जारी है और जल्द ही जलापूर्ति व्यवस्था सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है। शहरवासियों से अपील की गई है कि वे अग्रिम

रूप से पानी का भंडारण कर लें और आवश्यकता अनुसार ही जल का उपयोग करें। निगम प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि मरम्मत कार्य की प्रगति पर सतत निगरानी रखी जा रही है, ताकि नागरिकों को कम से कम असुविधा हो।

प्रोजेक्ट रक्षा के तहत महिलाओं की हुई कैंसर स्क्रीनिंग

प्रोजेक्ट रक्षा के तहत अब तक 325 महिलाओं की हुई कैंसर स्क्रीनिंग

रायपुर,संवाददाता

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन की नवाचार पहल प्रोजेक्ट रक्षा के तहत अब तक कुल 325 महिलाओं की कैंसर की स्क्रीनिंग की गई है।इस निःशुल्क कैंसर स्वास्थ्य जांच शिविर में मुख (ओरल), स्तन (ब्रेस्ट) तथा गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर के स्क्रीनिंग की जा रही है। प्रोजेक्ट रक्षा, जिला प्रशासन द्वारा बालको मेडिकल सेंटर के सहयोग से कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए संचालित किया जा रहा है, जिससे समय रहते बीमारी का पता चलने पर जीवन बचाना आसान हो सके।

÷आपका एक कदम - जीवन की रक्षा की

ओर÷ की भावना को लेकर प्रोजेक्ट रक्षा के तहत जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में बालको मेडिकल सेंटर की टीम, मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन के माध्यम से गांव-गांव पहुंच रही है।यह टीम ग्रामीण महिलाओं को कैंसर के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ 3 प्रकार के कैंसर के लक्षणों की जानकारी और बचाव के उपाय को समझाते हुए स्क्रीनिंग कर रही है, ताकि प्रारंभिक अवस्था में ही कैंसर की पहचान कर जीवन रक्षा संभव हो सके।

आदि कर्मयोगी अभियानः विकसित भारत में सशक्त होगा जनजातीय समाज

नईदिल्ली,एजेंसी

देश की आजादी के बाद यह पहला अवसर है जब किसी सरकार ने जनजातीय समाज के जीवन स्तर को उपर उठाने के लिए देशव्यापी अभियान छेड़ा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय समाज के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार जैसे मूलभुत सुविधाओं से जोड़ने और इनका लाभ दिलाने के लिए आदि कर्मयोगी अभियान की शुरूआत की है। यह अभियान देशभर के 30 राज्यों में संचालित किया जा रहा है। यह अभियान देश भर के 550 से ज्यादा जिलों और 1 लाख से अधिक आदिवासी बहुल गांवों में बदलाव के लिए काम करेगी।

बता दें कि जब भारत 2047 में अपनी आज़ादी के 100 वर्ष पूरा करेगा। उस समय तक विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए यह जरूरी है कि समाज का कोई भी वर्ग पीछे न छूटे। आदिवासी समाज को आगे बढ़ाए बिना यह सपना अधूरा रहेगा। आदि कर्मयोगी अभियान इस अंतर को भरने के लिए एक ठोस कदम है। यह अभियान शासन और समाज के बीच की दूरी को कम करेगा, पारदर्शिता लाएगा और योजनाओं को ज़मीनी स्तर तक

पहुँचाएगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अभियान को सेवा पर्व का रूप दिया है। उनका कहना है कि यह केवल योजनाओं की जानकारी देने का प्रयास नहीं, बल्कि समाज और शासन को जोड़ने वाला पुल है। छत्तीसगढ़ में इस अभियान के लिए वृहद स्तर पर आदिकर्म योगियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये कर्मयोगी जनजातीय परिवारों से घर-घर संपर्क कर उनकी आवश्यकताओं और जरूरतों को समझेंगे तथा केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करेंगे, राज्य और जिला स्तर पर इसकी मॉनिटरिंग की जाएगी। राज्य सरकार के सभी विभागों के अधिकारी इस कार्य में संवेदनशीलता के साथ सीधे जुड़ेंगे।

आदिकर्मयोगी अभियान का महत्व राष्ट्रीय स्तर पर इसलिए भी है क्योंकि भारत की जनजातीय आबादी लगभग 10 करोड़ से अधिक है। इतने बड़े समुदाय को मुख्यधारा में लाए बिना 2047 तक विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा। यह अभियान प्रधानमंत्री की उस सोच से जुड़ा है, जिसमें हर क्षेत्र, हर समाज और हर नागरिक को विकसित भारत÷ की यात्रा में समान अवसर देना है। भारत का विकास केवल शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रह सकता। एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र वही कहलाएगा, जहाँ समाज के हर तबके को समान अवसर मिले और उसकी संस्कृति को उचित सम्मान दिया जाए। इसी सोच को मूर्त रूप 'आदि कर्मयोगी अभियान' के जरिए दिया जा रहा है। यह वस्तुतः जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है।

छत्तीसगढ़ देश का वह राज्य है जहाँ सर्वाधिक जनजातीय जनसंख्या निवास करती है। इसीलिए इस अभियान का यहां विशेष महत्व है। आदिवासी समाज की असली चुनौती यही रही है कि अनेक योजनाएँ होते हुए भी उनकी जानकारी और लाभ ज़रूरतमंदों तक समय पर नहीं पहुँच पाते। ऐसे में लाखों कर्मयोगी स्वयंसेवक योजना और समाज के बीच सेतु बन सकेंगे। यह अभियान राज्य के 28 जिलों और 138 विकासखंडों के 6 हजार 650 गांवों में 1 लाख 33 हजार से अधिक वालंटियर्स तैयार करने का लक्ष्य रखा है। छत्तीसगढ़ में यह अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक पूरे राज्य में ग्राम पंचायत स्तर पर सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाएगा।

ईसा होटल में पुलिस का छापा: देह व्यापार के आरोप में कपल और युवतियां पकड़ी गईं, होटल मैनेजर समेत सभी से पूछताछ जारी

दुर्ग,)। दुर्ग जिले के वैशाली नगर से एक बड़ी खबर सामने आई है। वैशाली नगर पुलिस ने एक विशेष टीम के साथ मिलकर ईसा होटल में छापेमारी की कार्रवाई की, जहां देह व्यापार की सूचना मिलने पर कुछ कपल सहित दो युवतियों और एक ग्राहक को पकड़ा गया है।

जानकारी के अनुसार, होटल में अवैध गतिविधियों की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद दुर्ग पुलिस ने इलाके के कई होटलों और लॉज पर निगरानी रखना शुरू किया। इस बीच ईसा होटल में संदिग्ध गतिविधियों की खबर मिलने पर पुलिस ने तत्काल छापा मारा। छापेमारी के दौरान होटल से पकड़े गए सभी लोगों को वैशाली नगर थाने लाया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने होटल मैनेजर और मालिक को भी थाने बुलाया है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। वहीं, पकड़े गए लोगों के वैध दस्तावेजों की जांच के साथ-साथ उनके परिजनों से भी संपर्क किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

(भिलाई) छेड़खानी करने से मना करना चाचा को पड़ा महंगा, युवक ने किया कटर से हमला

भिलाई)। गणेश पंडाल में प्रसाद बांट रहे चाचा के सामने ही उसकी भतीजी को छेड़ने वाले युवक को मना करना चाचा को इतना भारी पड़ा कि गुस्साए युवक ने उस पर कटर से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी वहां से भाग खड़ा हुआ, लेकिन चाचा का बुरा हाल देख भतीजी ने आसपास के लोगो को बुलाया और सभी ने मिलकर सुपेला अस्पताल पहुंचाया। यह पूरा मामला सुपेला थाना क्षेत्र के संजय नगर के कुम्हारपारा का है। इधर घटना के बाद घायल सोमराज कुर्रे के चेहरे और बदन पर पड़े कटर के वार को देख सुपेला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद इसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। फिलहाल पुलिस मोहल्ले के सीसीटीवी खंगाल रही है ताकि आरोपी तक पहुंचा जा सके। हालांकि घायल सोमराज कुर्रे ने आरोपी की पहचान की है और बताया है कि कटर मारने वाला युवक मोहल्ले का ही रहने वाला है।

(जगदलपुर) बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने पहुंचे सीएम, जगदलपुर एयरपोर्ट में किया गया स्वागत

जगदलपुर, (आरएनएस)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आज जगदलपुर में मां दंतेश्वरी हवाई अड्डे पर आत्मीय स्वागत किया गया। वे बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने और राहत कार्यों की समीक्षा करने के लिए पहुंचे हैं। हवाई अड्डे पर जगदलपुर के महापौर संजय पांडेय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और एसपी शलभ सिन्हा, आयुक्त नगर निगम प्रवीण वर्मा ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री के साथ वन मंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह और सचिव रीना बाबा साहब कंगाले भी पहुंचे हैं।

हवाई अड्डे पर स्वागत के बाद मुख्यमंत्री श्री साय सड़क मार्ग से दंतेवाड़ा के लिए रवाना हो गए। वे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे और स्थिति का जायजा लेंगे।

मेन पाइपलाइन लीकेज के कारण मंगलवार शाम आधे शहर में नहीं होगी जलापूर्ति

दुर्ग, दुर्ग शहर के कई हिस्सों में मंगलवार (2 सितंबर) की शाम पानी की सप्लाई बंद रहेगी। इसका कारण मालवीय नगर चौक स्थित मुख्य राइजिंग पाइपलाइन में बड़ा लीकेज है, जिसकी मरम्मत के लिए 24 एमएलडी इंटकवेल को अस्थायी रूप से बंद किया गया है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद बुधवार से जल आपूर्ति सामान्य होने की संभावना है।

600 एमएम डायामीटर की यह मेन पाइपलाइन काफी समय से लीकेज की समस्या से जूझ रही थी। समय पर सुधार न होने के कारण लीकेज बढ़ता गया, जिससे इससे जुड़ी अन्य पाइपलाइनों और पानी की टंकियों में भी पानी नहीं पहुंच पा रहा था। इसका सीधा असर इलाके की घरों में पानी की आपूर्ति पर पड़ा। नगर निगम ने 2 सितंबर को इस पाइपलाइन की मरम्मत करने का निर्णय लिया है, जिसके चलते फिल्टर प्लांट को पानी पहुंचाने वाली सप्लाई को कुछ समय के लिए रोका जाएगा। इस मरम्मत कार्य के कारण पद्मनाभपुर, शक्ति नगर, हनुमान नगर, गिरधारी नगर, शंकर नगर, और शनिचरी बाजार जैसे इलाकों में मंगलवार सुबह तो पानी मिलेगा, लेकिन शाम को सप्लाई बंद रहेगी। जल विभाग की एमआईसी सदस्य लीना दिनेश देवांगन ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से पानी की व्यवस्था की जा रही है।

भाजयुमो भानपुरी के कार्यकर्ताओं ने राहुल गाँधी का किया पुतला दहन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में भाजयुमो भानपुरी मैदान में

जगदलपुर,

बिहार में राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा ने पुरे देश को शर्मिंदा किया है। यह कहना भानपुरी मंडल के भाजपा-भाजयुमो कार्यकर्ताओं का का है। बीते दिनों दरभंगा से सामने आया एक विवादित वीडियो में मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया, जिससे सियासी माहौल गरमा गया है। कांग्रेस के इस कार्यक्रम में हुई इस घटना ने राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया है, वहीं भाजयुमो भानपुरी मंडल ने राहुल गांधी से देश से माफी मांगने की मांग की है। वही भानपुरी मंडल के भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में एकत्र हो कर विरोध स्वरुप राहुल गाँधी का पुतला दहन किया। गौरतलब है कि दरभंगा के अतरबेल में हुई रैली के दौरान मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। यह कार्यक्रम यूथ कांग्रेस नेता मोहम्मद नौशाद की ओर से आयोजित किया गया था। विवाद बढ़ने के बाद नौशाद ने सफाई दी कि किसी बाहरी व्यक्ति ने मंच से गलत शब्द कहे हैं, हालांकि इस मामले पर राजनीति गरमा गई है।

इस दौरान जनपद अध्यक्ष संतोष बघेल जी, मंडल अध्यक्ष प्रवीण सांखला जी, निर्देश दिवान जी, खितेश मौर्य जी, गौरव कश्यप,

भूषण गुप्ता, उमाकांत कश्यप, किशन सेन, दीपक गुप्ता, अशोक राव, शिबू शाह, कुलेश्वर कश्यप, जनपद सदस्य जमुना ठाकुर, सरपंच दयमन बघेल, मदन कश्यप, लखेश्वर बंछोर, भावना बघेल, हीरालाल कश्यप, तुलसू कश्यप, घस्सु कश्यप, लक्ष्मी सिंहा, कमलेश दिवान, ओमप्रकाश कश्यप, आसमन बघेल, नरेंद्र पाणीग्राही, केदार कश्यप, सोमारु सूर्यवंशी, महेंद्र देवांगन, खगेश्वर ठाकुर, लेबो राम, तुला राम, चमन ठाकुर, रोमू, रामप्रसाद मौर्य एवं अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता पुतला दहन में उपस्थित रहे।

पहाड़ी कोरवा जनजाति ग्रामीण की मौत का मामला, ग्रामीणों आरोप तनाव में हुई मृत्यु, किया चक्का जाम

बलरामपुर, संवाददाता।

रामानुजगंज रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम रेवतीपुर में कोरवा जनजाति के ग्रामीण की मृत्यु रविवार के शाम घर में हो गई थी स्वजनों एवं ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वन विभाग के द्वारा घर खाली करने के लिए हस्ताक्षर कराया गया था जिसके तनाव में आकर उसकी मृत्यु हो गई। स्वजनों एवं ग्रामीणों के द्वारा आज चक्का जाम रामचंद्रपुर सनवाल मुख्य मार्ग पर कर दिया गया था सूचना पर मौके पर रामचंद्रपुर पुलिस एसडीओपी बाजीलाल सिंह मौके पर पहुंची जिनके द्वारा उचित कार्रवाई का भरोसा दिया जिसके बाद ही चक्का जाम टूट सका। चक्का जाम टूटने के बाद 100 को पोस्टमार्टम के लिए 100 बिस्तर अस्पताल रामानुजगंज भेजा गया।

स्वजनों एवं ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि 5 दिनों से लगातार वन विभाग की टीम गांव में आ रही थी एवं घरों के जमी नामा पर हस्ताक्षर कराकर फोटो खींचकर घर गिराए जाने की बात कही जा रही थी। जिससे रेवतीपुर के वार्ड क्रमांक 8 में रहने वाला बिफन कोरवा पिता रामधनी कोरवा उम्र 50 वर्ष तनाव में रह रहा था कई दिन से वह खाना पीना छोड़ दिया था शाम को उसने जैसे ही पानी पीकर चलना शुरू किया गिरकर उसकी मृत्यु हो गई।

नवा रायपुर के पचेड़ा, तेन्दुआ, पोता में बनेगा नया औद्योगिक चिकित्सा, शैक्षणिक क्षेत्र

0-रविशंकर महाराज को दिया गया 40 एकड़ जमीन

0-बाम्बे हॉस्पिटल को दिया गया 5 एकड़ जमीन

रायपुर, संवाददाता)।

नवा रायपुर अटल नगर में शीघ्र ही नया औद्योगिक क्षेत्र बनाया जाएगा। इसके लिए 150 से अधिक जमीन लैण्डयूज बदला जा रहा है। यह जमीन ग्राम पचेड़ा, पौता एवं तेन्दुआ गांव में है। आवास एवं पर्यावरण विभाग के अनुसार औद्योगिक शैक्षणिक एवं चिकित्सा क्षेत्र के लिए यह जमीन अधिकृत की जा रही है।

आवास एवं पर्यावरण विभाग के विशेष सचिव के अनुसार बंबई के सुप्रसिद्ध बाम्बे हॉस्पिटल को 5 एकड़ जमीन का आबंटन किया गया है,इसे तीन वर्ष के अंदर बनाना होगा। वहीं आर्ट ऑफ लिविंग के महाराज को 40 एकड़ भूमि आबंटित करने का निर्णय लिया गया है। वहीं सत्यसांई शिक्षा ट्रस्ट को 5

एकड़ अतिरिक्त भूमि दी गई है। लेयर 2 के तहत यहां पर उद्योगों की स्थापना की जाएगी। ज्ञात रहे यहां पर आवास एवं पर्यावरण विभाग ने अधिनियम 1973 के तहत कृषि योग्य भूमि का डावर्सन करने के लिए सूचना जारी कर दी है। ग्राम तेन्दुआ और पचेड़ा में कुल 73 और 29 एकड़ हेक्टेयर जमीन का लैण्ड यूज चेंज किया जा रहा है, इस तरह करीब सवा सौ एकड़ में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किया जाएगा।

दावा एवं आपत्ति आमंत्रित

आवास एवं पर्यावरण विभाग के विशेष सचिव के अनुसार जिस व्यक्ति अथवा संस्था को इस पर आपत्ति है वे 10 दिन के अंदर संभायुक्त कार्यालय कलेक्टर एवं संयुक्त संचालक कार्यालय में आकर अपना दावा आपत्ति दे सकते हैं। यह जमीन नारडा के द्वारा ली जा रही है। यहां पर अक्षरधाम सहित प्रजापति ब्रम्हकुमारी का भी एक भव्य आश्रम बनकर तैयार हो गया है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।

कांग्रेसियों ने प्रधानमंत्री का नहीं हर भारतीय माँ का अपमान किया है: शेड़ो विधायक खुज्जी गीता घासी साहू

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विपक्षी नेताओं द्वारा की गई अशोभनीय और अपमानजनक टिप्पणी ने न केवल राजनीतिक शिष्टाचार की मर्यादा को तार-तार किया है, बल्कि पूरे देश की मातृशक्ति का अपमान किया है। कांग्रेस और राजद के मंच से इस प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग यह दर्शाता है कि सत्ता की लालसा में ये लोग अपने विवेक और संस्कृति को पूरी तरह खो चुके हैं। राजनांदगांव जिला पंचायत पूर्व अध्यक्ष व खुज्जी शेड़ो विधायक गीता घासी साहू ने इस मामले में तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री की मां के खिलाफ की गई टिप्पणी केवल नरेंद्र मोदी पर नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीय माताओं के सम्मान पर आघात है। एक सामान्य भारतीय मां के संघर्षों, त्याग और संस्कारों से उपजा यह नेतृत्व आज भारत को वैश्विक पटल पर गौरवान्वित कर रहा है।

श्रीमती गीता साहू ने आगे कहा कि यह केवल राजनीतिक बयान बाजी नहीं बल्कि मानसिक दिवालियापन और गिरती हुई राजनीतिक सोच का परिचायक है भारतीय राजनीति में विचारों का संघर्ष होता रहता है लेकिन व्यक्तिगत हमले और पारिवारिक अपमान का ऐसा निम्न स्तर पहले कभी नहीं देखा गया

गीता साहू ने जनता से अपील करते हुए कहा कि बिहार की जागरूक जनता इस अभद्रता और नफरत की राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी देशवासी प्रधानमंत्री के साथ है और ऐसी अपमानजनक बयानों का लोकतांत्रिक जवाब देंगे।यह चुनावी नहीं, संस्कारों की लड़ाई है उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता देश की संस्कृति,माता के सम्मान और भारत की गरिमा की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से खड़ा है भारत की जनता ऐसे नेताओं को उनके ही शब्दों का जवाब देगी, वोट की चोट से।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)